NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित
वर्ष: 13 अंक: 315 लखनऊ, मंगलवार 02 जुलाई 2024 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

हिंदू भारत की मूल आत्मा, राहुल के बयान पर बोले सीएम योगी, एक्सीडेंटल हिंदू वाली जमात के शहजादे भला क्या जानेंगे ?

संवाददाता।

लखनऊ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राहुल गांधी का हिंदुओं पर दिया गया बयान सच्चाई से परे है...उन्हें देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए...मैं इस बयान की निंदा करता हूं और कांग्रेस पार्टी से भी कहता हूं कि वह उनसे माफी मांगने को कहे।कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज लोकसभा में अपना पहला उग्र भाषण दिया और भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधा। भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पर बिना किसी रोक–टोक के हमला करते हुए,

राहुल गांधी ने एक बिंदु पर कहा कि श्जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं वे केवल हिंसा, नफरत, असत्य के बारे में बात करते हैं...आप हिंदू हैं नहीं।श बीजेपी ने उनके बयान पर तुरंत पलटवार किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि श्पूरे हिंदू समुदाय को हिंसक कहना बहुत गंभीर मामला है। अब भाजपा के नेता लगातार राहुल पर निशाना साध रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राहुल गांधी का हिंदुओं पर दिया गया बयान सच्चाई से परे है...उन्हें देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए...मैं इस बयान की निंदा करता हूं और कांग्रेस पार्टी से भी कहता हूं कि वह उनसे माफी मांगने को कहे। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी के दोनों बयान इस बात का सबूत हैं कि उनका सच्चाई से कोई लेना–देना नहीं है। यह हमने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी देखा है। उन्होंने जिस तरह के गुमराह करने वाले बयान दिए थे, जिस तरह के झूठे बयान दिए थे, लोगों को जिन्होंने संविधान का गला घोंटा, उन्होंने संविधान के बारे में भ्रामक बयान देकर विदेशी धन का उपयोग करके चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की, उन्होंने 1 लाख रुपये के फर्जी बांड भरवाकर भारत की माताओं और बहनों को गुमराह करने की कोशिश की और जो बयान राहुल गांधी ने दिया है आज पुनः दिया गया कृत्य अत्यंत निंदनीय एवं शर्मनाक है। अयोध्या को उसकी पहचान से किसने वंचित किया?योगी ने आगे कहा कि इसके लिए रणनीतिक इंडिया गठबंधन से जुड़े लोग जिम्मेदार हैं। इसके लिए राहुल गांधी और उनके साथी जिम्मेदार हैं, जिन्होंने न केवल अयोध्या को वनवास दिया... कौन नहीं जानता कि कांग्रेस आजादी के बाद से लगातार अयोध्या को उसकी पहचान से वंचित करती रही है, रामलला के मंदिर में ताला लगाने का काम कांग्रेस ने किया था

अनुप्रिया पटेल की साख पर आई आंच तो बीजेपी की लगाई क्लास

संवाददाता।

लखनऊ। दरअसल, लोकसभा चुनाव में उन्हें अपनी परंपरागत सीट पर अनुप्रिया को बड़ी मशक्कत और कड़े संघर्ष में जीत मिली थी, वहीं, राबर्टगंज सीट उनके हाथ से निकल गई। भाजपा ने अपना दल को दो ही सीटें दी थीं। अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल की 2024 के लोकसभा चुनाव में सियासी जमीन क्या हिली, उन्हें दलित, कुर्मी पिछड़े सब याद आने लगे हैं। 2019 में मिर्जापुर लोकसभा सीट का चुनाव अनुप्रिया ने करीब दो लाख बत्तीस हजार वोटों के अंतर से जीता था, लेकिन 2024 में जीत का अंतर 37 हजार वोटों के करीब सिमट गया। ऐसा होते ही

अनुप्रिया फिर से अपनी साख लौटाने के लिये उसी बीजेपी को घेर रही हैं जिसकी मोदी सरकार में वह और योगी सरकार में उनके पति मंत्री पद की शोभा बढ़ा रहे हैं। अपनी खोई हुई जमीन फिर से हासिल करने के लिये अनुप्रिया ने ओबीसी व एसटी के लिए आरक्षित पदों पर भर्ती को लेकर जो सवाल खड़े किये वह उनके सियासी सुर्खियां बटोरने का प्रयास के अलावा कुछ नहीं है, जबकि हकीकत यह है कि इसके पीछे उनकी कुर्मी वोट बैंट के खिसकने की घबराहट को एक बड़ी वजह माना जा रहा है। सियासी गलियारों में इस बात की भी चर्चा है कि खुद को अपनी जाति का एकमात्र नेता मान चुकी अनुप्रिया को इस बार लोकसभा चुनाव में कड़े संघर्ष में बमुश्किल जीत मिली थी, उससे वह काफी दबाव में हैं।दरअसल, लोकसभा चुनाव में उन्हें अपनी परंपरागत सीट पर अनुप्रिया को बड़ी मशक्कत और कड़े संघर्ष में जीत मिली थी, वहीं, राबर्टगंज सीट उनके हाथ से निकल गई। भाजपा ने अपना दल को दो ही सीटें दी थीं। इसके अलावा अनुप्रिया द्वारा एक दर्जन से अधिक सीटों पर कुर्मी जाति का प्रभाव होने का दावा किया जा रहा है,

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर शरद पवार का बड़ा दांव, कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी संग सीट शेयरिंग को लेकर किया ये दावा

एजेंसी।

पुणे में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राकांपा प्रमुख ने कहा कि चूंकि अर्जुन का लक्ष्य (महाकाव्य महाभारत में) एक आंख (मछली की) थी, हमारी नजरें महाराष्ट्र में चुनावों पर टिकी हैं। कांग्रेस, राकांपा (सपा) और उद्धव ठाकरे की सेना (यूबीटी) संयुक्त रूप से विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में सीट बंटवारे पर बातचीत अभी शुरू नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही शुरू होगी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले एनसीपी (सपा प्रमुख) शरद पवार ने कहा कि कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और उनकी पार्टी मिलकर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सीटों का बंटवारा जल्द शुरू होगा. राज्य में अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। पुणे में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राकांपा प्रमुख ने कहा कि चूंकि अर्जुन का लक्ष्य (महाकाव्य महाभारत में) एक आंख (मछली की) थी, हमारी नजरें महाराष्ट्र में चुनावों पर टिकी हैं। कांग्रेस, राकांपा (सपा) और उद्धव ठाकरे की सेना (यूबीटी) संयुक्त रूप से विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में सीट बंटवारे पर बातचीत अभी शुरू नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही शुरू होगी। महायुति के खिलाफ संघर्ष में संपूर्ण विपक्षी दलों की एकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, पवार ने कहा कि राज्य विधानसभा चुनावों में छोटे सहयोगियों के हितों की रक्षा करना महाराष्ट्र में प्रमुख विपक्षी दलों की नैतिक जिम्मेदारी है, जो गठबंधन का हिस्सा थे। लेकिन इन तीन पार्टियों की तरह वामपंथी दल, पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी (पीडब्ल्यूपी) भी गठबंधन का हिस्सा थे लेकिन हम उन्हें लोकसभा में सीटें नहीं दे सके। इन पार्टियों के हितों की रक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। महाराष्ट्र बजट पर शरद पवार शुक्रवार को सीएम एकनाथ शिंदे द्वारा पेश किए गए राज्य के बजट के सवाल पर पवार ने कहा कि अगर आप खाली जेब लेकर बाजार में जाते हैं तो क्या होता है? कुछ दिनों की बात है, ।

अभय मुद्रा जिसका राहुल गांधी ने संसद में किया जिक्र, अब मुस्लिम धर्मगुरु भी कांग्रेस नेता पर उठा रहे सवाल

एजेंसी।

नई दिल्ली संसद में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के भाषण पर ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल के अध्यक्ष सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने कहा कि आज संसद में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा है कि इस्लाम में श्अभयमुद्राश भी है।कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवारको लोकसभा में बोलते हुए हिंदू देवी–देवताओं की तस्वीरों में दिखने वाली अभय–मुद्रा को अपनी पार्टी के चुनाव चिन्ह से जोड़ दिया। गांधी ने बताया कि अभय–मुद्रा न केवल डरने और अहिंसा का पालन करने के लिए नहीं कहती, बल्कि यह दूसरों को न डराने का भी सुझाव देती है। उन्होंने कहा कि सभी धर्म साहस की बात करते हैं। उन्होंने भगवान शिव की 'अभय मुद्रा' का उल्लेख करते हुए कहा कि इस्लाम, सिख, ईसाई, बौद्ध और जैन, सभी धर्मों में यह मुद्रा नजर आती है। राहुल ने कहा कि अभयमुद्रा कांग्रेस का प्रतीक है...अभयमुद्रा निर्भयता का संकेत है, आश्वासन और सुरक्षा का संकेत है, जो भय को दूर करता है और हिंदू, इस्लाम, सिख धर्म, बौद्ध धर्म और अन्य भारतीय धर्मों में दैवीय सुरक्षा और आनंद प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हमारे सभी महापुरुषों ने अहिंसा और भय खघ्त्म करने की बात की है...लेकिन, जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं वे केवल हिंसा, नफरत, असत्य की बात करते हैं...आप हिंदू हैं नहीं। संसद में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के भाषण पर ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल के अध्यक्ष सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने कहा कि आज संसद में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा है कि इस्लाम में श्अभयमुद्राश भी है। उन्होंने आगे कहा कि इस्लाम में न तो मूर्ति पूजा का उल्लेख है और न ही किसी प्रकार की मुद्रा का। मैं इसका खंडन करता हूं, इस्लाम में श्अभयमुद्राश का कोई जिक्र नहीं है और मेरा मानना घ्है कि राहुल गांधी को अपना बयान सुधारना चाहिए। क्या है अभयमुद्राअभयमुद्रा एक मुद्रा है

जो आश्वासन और सुरक्षा का संकेत है, जो भय को दूर करती है और हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म और अन्य भारतीय धर्मों में दिव्य सुरक्षा और आनंद प्रदान करती है। दाहिना हाथ सीधा रखा हुआ है और हथेली बाहर की ओर है। यह कई हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख छवियों पर चित्रित सबसे प्रारंभिक मुद्राओं में से एक है। अभयमुद्रा सुरक्षा, शांति, परोपकार और भय को दूर करने का प्रतिनिधित्व करती है। हिंदू भगवान शिव के एक रूप नटराज को दूसरे दाहिने हाथ से अभयमुद्रा बनाते हुए दर्शाया गया है, जो धर्म का पालन करने वालों को बुराई और अज्ञान दोनों से सुरक्षा प्रदान करता है। थेरवाद बौद्ध धर्म में, यह आमतौर पर दाहिने हाथ को कंधे की ऊंचाई तक उठाकर, हाथ को मोड़कर और हथेली को बाहर की ओर रखते हुए, उंगलियों को सीधा और जुड़ा हुआ रखते हुए और बाएं हाथ को खड़े होकर नीचे लटकाकर बनाया जाता है। थाईलैंड और लाओस में, यह मुद्रा वॉकिंग बुद्धा से जुड़ी हुई है, जिसमें अक्सर दोनों हाथों से दोहरी अभयमुद्रा बनाते हुए दिखाया जाता है जो एक समान होती है। इसका उपयोग गौतम बुद्ध द्वारा देवदत्त (कुछ लोग अजातसत्तु के अनुसार

ढ़ह गई भाजपा के भ्रष्टाचार के पिलर पर खड़ी पानी टंकी- अजय राय

लखनऊ। रविवार शाम जनपद मथुरा में एक सिर्फ तीन वर्ष पुरानी पानी की टंकी भरभरा कर गिर गई। घटना के दौरान टंकी के नीचे दबकर दो लोगों की मौत और 12 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है। उक्त घटना पर अपना रोष प्रकट करते हुए एवं मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री श्री अजय राय ने कहा कि आजादी की बाद प्रदेश में इतनी भ्रष्ट सरकार कभी नहीं रही। योगी जी की सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में लिप्त है। आदमी तो आदमी इस सरकार ने भगवान को भी नहीं छोड़ा है। कहा कि पहली ही बारिश में भगवान श्री राम जी के मंदिर में पानी चूने लगा। 311 करोड़ की लागत से बने रामपथ में गड्ढा हो गया है और इस तरह से रोड़ धंसने व रोड़ में गड्ढा होने की घटनाएं आम हो गई हैं जो योगी सरकार के भ्रष्टाचार की पोल खोलती हैं।अजय राय ने कहा कि अभी जो मथुरा में हुआ वो निहायत शर्मनाक है। भाजपा के भ्रष्टाचार के पिलर पर खड़ी पानी की टंकी भरभराकर गिर गई और निर्दोष नागरिकों का काल बन गई। भ्रष्टाचार के उच्चतम पायदान पर बैठे योगी जी झूठी खबरों से साफ सुथरी सरकार की धारणा गढ़ने में लगे है मगर जनता अब इनके वास्तविक चेहरे को पहचान चुकी है। पिछले सात सालों में जनता के लाखों करोड़ रूपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। कहा कि अगर योगी जी में जरा भी नैतिकता बाकी है तो उन्हें पूरे प्रदेश के इस भ्रष्ट तंत्र की जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

अन्नपूर्ति योजना हेतु 11.96 करोड़ रूपये की धनराशि मंजूर

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए अन्न पूर्ति योजना हेतु रूपये 11,96,94,249 (रू0 ग्यारह करोड़ छियानबे लाख चौरानबे हजार दो सौ उनचास मात्र) की वित्तीय स्वीकृति निर्गत करते हुए आयुक्त, खाद्य एवं रसद विभाग के निवर्तन पर रखने के निर्देश दिये हैं। इस सम्बन्ध में खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा जारी शासनादेश में कहा गया है कि अवमुक्त की गयी धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार एवं नियमानुसार किया जायेगा। प्रस्तावित कार्यों की द्विरावृत्ति न हो, कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी आयुक्त, खाद्य एवं रसद विभाग की होगी।

संजय सिंह ने ऐसा क्या कहा? प्रफुल्ल पटेल बीच में टोकते हुए बोल उठे- हमें और कांग्रेस को बदनाम करके यहां बैठे हो

एजेंसी।

नई दिल्ली पटेल ने कहा कि संजय भैया, आप आज यहां बैठकर कांग्रेस और हमें बदनाम कर रहे हैं। इस पर स्पीकर जगदीप धनकड़ ने प्रफुल्ल पटेल को रोका और कहा कि ये बात रिकॉर्ड में नहीं जाएगी। स्पीकर के रोकने के बावजूद प्रफुल्ल पटेल बोलते रहे। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। राज्यसभा में एनसीपी (अजित पवार गुट) सांसद प्रफुल्ल पटेल ने आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह पर जमकर निशाना साधा। पटेल ने कहा कि संजय भैया, आप आज यहां बैठकर कांग्रेस और हमें बदनाम कर रहे हैं। इस पर स्पीकर जगदीप धनकड़ ने प्रफुल्ल पटेल को रोका और कहा कि ये बात रिकॉर्ड में नहीं जाएगी। स्पीकर के रोकने के बावजूद प्रफुल्ल पटेल बोलते रहे। प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि उन्होंने (संजय सिंह) नाम लेकर हमारी पार्टी और हमारे नेता की आलोचना की, इसलिए उन्हें जवाब देना होगा। उन्होंने यूपीए सरकार के दौरान भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें लगता है कि 70 हजार करोड़ का सिंचाई घोटाला हुआ है तो वे उनके साथ क्यों बैठे। तब कांग्रेस के मुख्यमंत्री थे। अन्ना हजारे का जिक्र टालते हुए प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि आपने हमारे एक बुजुर्ग आदमी को बुलाया और हमारे नेताओं के खिलाफ मानहानि का आंदोलन चलाया। तब यूपीए की सरकार थी। इस पर संजय सिंह ने कुछ कहा। प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि आपने इंडिया अगेंस्ट करप्शन क्यों शुरू किया? क्या आपने क्लीन चिट दे दी?संजय सिंह ने क्या कहा? हुआ यूं कि जब संजय सिंह सदन में बोल रहे थे तो उन्होंने भ्रष्टाचार पर सरकार को घेरा. फिर उन्होंने एनसीपी मंत्री छगन भुजबल का जिक्र किया। संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि एक भी भ्रष्ट नेता को बख्शा नहीं जाएगा, ये मोदी की गारंटी है। लेकिन जब हम उन पर नजर डालते हैं तो सभी भ्रष्ट नेता भाजपा के साथ नजर आते हैं, यह प्रधानमंत्री की गारंटी है। 70 हजार करोड़ के सिंचाई घोटाले में भ्रष्टाचार के आरोपी छगन भुजबल आज बीजेपी के साथ हैं। संजय सिंह के बयान पर स्पीकर जगदीप धनकड़ ने आपत्ति जताते हुए उनके बयान को कार्यवाही से हटाने को कहा।

भाजपा सरकार ने सिर्फ उजाड़ा पेड़, घर और रोजगार– विनय कुशवाहा

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन पर वृक्षारोपण

प्रयागराज (आरएनएस)। भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार ने सिर्फ उजाड़ने का कार्य किया है। सड़क चौडीघ्करण के नाम पर पेड़ ,घर ,रोजगार उन्होंने बनाया कुछ नहीं। उक्त बातें समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन के सुअवसर पर पार्वती चौराहा पार्क जार्जटाउन में पाकड़ का पेड़ लगाते हुए सपा प्रदेश सचिव विनय कुशवाहा ने कहीं।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की सोच विकासपरक पर पर्यावरण संतुलन के साथ सबको साथ लेकर सबकी भलाई का हैं। इसलिए अपने जन्मदिन पर सभी कार्यकर्ताओं को वृक्षारोपण करने के लिए कहा।क्योंकि विगत दस साल में भाजपा की सरकार मे इतने पड़े कट गये जितने पचास साल में ना कटे होंगे जिससे साल दर साल गर्मी बढ़ती जा रही हैं और पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है।

पूर्व युवजन सभा जिलाध्यक्ष हार्षित पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन पर वृक्षारोपण कार्यक्रम इससें अच्छा तोहफा और कुछ नहीं होगा जो हमें और हमारे भविष्य को संचित करेगा।

साथ में धर्मेन्द्र यादव पूर्व प्रदेश सचिव यु.स, शिवम जायसवाल, अमित यादव, नितिन पाण्डेय, पवन पटेल आदि रहे।

वर्षा _तु के दृष्टिगत जिलाधिकारी संग नगर आयुक्त ने किया शहर का निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा निर्देश’

लखनऊ नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह जी द्वारा जिलाधिकारी की उपस्थिति में वर्षा ऋतु के दृष्टिगत नगर में स्थिति गोमती बैराज सहित शहर के अन्य बड़े व छोटे नालों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। सर्वप्रथम गोमती बैराज का निरीक्षण किया गया।जिसमें गोमती के जलस्तर को लेके सिंचाई विभाग को निर्देश दिए। इसी क्रम में नगर आयुक्त द्वारा फैजुल्लागंज में निर्माणाधीन नाले का निरीक्षण किया गया और संबंधित अधिकारियों को मिसिंग लिंक के कार्य को ३ दिवस के अंदर पूर्ण कराए जाने तथा , हाई टेंशन लाइन एवं ट्रांसफार्मर शिफ्ट किए जाने हेतु अभियंता विद्युत से समन्वय स्थापित करने के साथ साथ नाले का काम अति शीघ्र पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए गए. तदक्रम में जोन 8 स्थित खजाना मार्केट पर किल मोहम्मदी नाले का निरीक्षण किया गया।जिसके तहत तीन अलग अलग स्थानों पर निरीक्षण कर नियमित साफ सफाई करवाये जाने के निर्देश सम्बन्धितों को दिए गए। इसके अतिरिक्त खजाना मार्केट के पास, सेक्टर एम में रेलवे अंडर पास के आस पास एवं किला मोहंम्मदी शाहीदपथ अंडर पास इत्यादि जगजों पर साफ सफाई एवं जल निकासी की उचित व्यवस्था के दृष्टिगत निरीक्षण कर निर्देश दिए गए।

पत्रकारों ने की नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर से मुलाकात

जनह्ति के मुद्दे पर की विस्तार से चर्चा,दिए कई महत्वपूर्ण सुझाव

लखनऊ की कानून व्यवस्था को करेंगे चुस्त दुरूस्त – पुलिस कमिश्नर

लखनऊ ।पत्रकारों के संघठन प्रिंट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन, तथा मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसियेशन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने की नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर से आज औपचारिक मुलाकात की ।राष्ट्रपति पदक से सम्मानित सीनियर आईपीएस अधिकारी लखनऊ के मौजूदा पुलिस कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर से प्रिंट मीडिया वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीज सिद्दीकी,उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसियेशन के महामंत्री अब्दुल वहीद,सचिव जुबेर अहमद,राष्ट्रीय महामंत्री परवेज अखघ्तर,आरएसएस न्यूज के संपादक सय्यद गुलाम हुसैन तथा जे.प्राइम भारत न्यूज के हेड एन. आलम ने औपचारिक मुलाकात करके उनको लखनऊ पुलिस का कमिश्नर बनने पर मुबारकबाद पेश की ।इस मौके पर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था व कानून व्यवस्था को दुरस्त रखने हेतु कुछ सुझाव दिए ।जैसे लखनऊ मेंअतिक्रमण रोड साइड, फुटपाथ की दुकानें जिनसे आधी रोड घिरी रहती हैं,थाने स्तर पर इनको हद में रहने के लिए लगातार वार्न किया जाये ।ऑटो टैम्पो व ई.रिक्शा पर कार्यवाही करते हुए इनके मानक तय किए जाएं। इनको आदेशित किया जाय कि प्रमुख चौराहे से 50 मीटर दूर सवारियां उतारी जाएं ।कई इलाकों में डिवाइडर के बगल में लोग अपनी कार पार्क करके पार्किंग बनाए हुए हैं। आधी सड़क यही घेर कर

कवर किए रहते हैं,इनकी गाड़ियों को हटाने के लिए कार्यवाही की जाए ।शासन द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रकारों को लखनऊ पुलिस द्वारा कवरेज हेतु सहयोग दिया जाए,पत्रकारों द्वारा जनहित के मुद्दे पर पुलिस प्रशासन को अवगत कराने पर तत्काल उसका निस्तारण किया जाए ।माह में एक दिन थाना स्तर पर समाधान दिवस हो ।समाजसेवी तथा व्यापारी गण की मीटिंग होती रहे। पुलिस उनको गाइड लाइन बताती रहे, अतिक्रमण करने पर कार्यवाही करने के लिए कहे,साथ ही क्षेत्रीय समस्याएं सुन कर निस्तारण भी करती रहे ।इसी के साथ हर समर्थ नागरिक से अपने अपने घरों व प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आग्रह करती रहें। क्योंकि काफी हद तक की अप्रिय घटनाएं इन कैमरों की वजह से नहीं हो पाती हैं

शहर में बरसात के मद्देनजर बेसमेंट की खुदाई पर रोक

लखनऊ शहर में भारी बरसात को देखते हुए बेसमेंट के निर्माण के लिए खुदाई किये जाने पर रोक लगा दी गयी है। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने जन सामान्य व सम्पत्ति की सुरक्षा के दृष्टिगत सोमवार को इस बाबत आदेश जारी किये हैं। बेसमेंट की खुदाई पर लगायी गयी है रोक अगले आदेशों तक जारी रहेगी।उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि बेसमेन्ट का निर्माण करते समय मानक के अनुरूप खुदाई न करते हुए एवं सुरक्षा के उपाय न करने तथा अगल–बगल है।

प्रदेश में बाढ़ की समस्या के स्थायी निदान के लिए विगत 07 वर्षों में किए गए सुनियोजित प्रयासों के अच्छे परिणाम प्राप्त हुए– मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में बाढ़ प्रबन्धन तथा जन–जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत तैयारियों की समीक्षा की

लखनऊ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में बाढ़ प्रबन्धन और जन–जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत जारी तैयारियों की समीक्षा की तथा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में व्यापक जन–धन हानि के लिए दशकों तक कारक रही बाढ़ की समस्या के स्थायी निदान के लिए विगत 07 वर्षों में किए गए सुनियोजित प्रयासों के अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं। प्रदेश में बाढ़ की दृष्टि से अति संवेदनशील जिलों की संख्या में अभूतपूर्व कमी आई है। विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार आधुनिकतम तकनीक का प्रयोग कर बाढ़ के खतरे को न्यूनतम करने में सफलता प्राप्त हुई है। बाढ़ से जन–जीवन की सुरक्षा के लिए अन्तरविभागीय समन्वय से अच्छा कार्य हुआ है। इस वर्ष भी बेहतर कोऑर्डिनेशन, क्विक एक्शन और बेहतर प्रबन्धन से बाढ़ की स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कराई जाए। प्रदेश में बाढ़ की दृष्टि से 24 जनपद अति संवेदनशील श्रेणी में हैं। इनमें महराजगंज, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर, बस्ती, बहराइच, बिजनौर, सिद्धार्थनगर, गाजीपुर, गोण्डा, बलिया, देवरिया, सीतापुर, बलरामपुर, अयोध्या, मऊ, फर्रुखाबाद, श्रावस्ती, बदायूं, अम्बेडकर नगर, आजमगढ़, संतकबीर नगर, पीलीभीत और बाराबंकी जनपद सम्मिलित हैं। जबकि जनपद सहारनपुर, शामली, अलीगढ़, बरेली, हमीरपुर, गौतमबुद्ध नगर, रामपुर, प्रयागराज, बुलन्दशहर, मुरादाबाद, हरदोई, वाराणसी, उन्नाव, लखनऊ, शाहजहांपुर और कासगंज संवेदनशील प्रकृति के हैं। अति संवेदनशील और संवेदनशील क्षेत्रों में बाढ़ की आपात स्थिति से निपटने हेतु राहत सामग्री के पर्याप्त रिजर्व स्टॉक का एकत्रीकरण कर लिया जाए। इन स्थलों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं आवश्यक उपकरणों का भी प्रबन्ध किया जाए। जल शक्ति मंत्री, दोनों राज्य मंत्री तथा वरिष्ठ अधिकारीगण अति संवेदनशील तथा संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण व बाढ़ बचाव से जुड़ी परियोजनाओं का निरीक्षण करें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार इस वर्ष पर्याप्त वर्षा होने की सम्भावना है। नेपाल और उत्तराखण्ड की सीमा से सटे जनपदों में सतर्कता बनाए रखें। आमजन की सुविधा और राहत एवं बचाव कार्य के बेहतर प्रबन्धन के लिए बाढ़ बुलेटिन और मौसम का पूर्वानुमान नियमित रूप से जारी किया जाए।भारतीय मौसम विभाग, केन्द्रीय जल आयोग, केन्द्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के साथ प्रदेश के सिंचाई एवं जल संसाधन, गृह, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, खाद्य एवं रसद, राजस्व एवं राहत, पशुपालन, कृषि, राज्य आपदा प्रबन्धन, रिमोट सेन्सिंग प्राधिकरण द्वारा बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। केन्द्रीय एजेंसियोंधविभागों से सतत संवाद–सम्पर्क बनाए रखें। प्राप्त आकलनध्अनुमान रिपोर्ट समय से फील्ड में तैनात अधिकारियों को उपलब्ध करायी जाए। नदी के किनारे बसे आवासीय इलाकों और खेती की सुरक्षा में नदियों का चौनेलाइजेशन उपयोगी सिद्ध हो रहा है। जनपद अम्बेडकरनगर, बलरामपुर, बाराबंकी, सीतापुर और श्रावस्ती में ड्रेनेज एवं चौनेलाइजेशन की जारी परियोजनाओं को समय से पूर्ण कराएं। निकली हुई सिल्ट का सदुपयोग किया जाए। राज्य स्तर और जिला स्तर पर बाढ़ राहत कंट्रोल रूम 24☐7 एक्टिव मोड में रहें। उत्तर प्रदेश पुलिस रेडियो मुख्यालय द्वारा बाढ़ से प्रभावित होने वाले जनपदों में 113 बेतार केन्द्र अधिष्ठापित किए गए हैं। मानसून अवधि में यह केन्द्र हर समय एक्टिव रहें। बाढ़ध्अतिवृष्टि की स्थिति की नियमित मॉनीटरिंग की जाए। एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0ध्पी0ए0सी0 फ्लड यूनिट तथा आपदा प्रबंधन टीमें 247 एक्टिव मोड में रहें। आपदा मित्र स्वयंसेवकों के साथ–साथ होमगार्डों की सेवाएं भी ली जाएं। इनकी तैनाती के सम्बन्ध में कार्ययोजना तैयार कर लें। सभी एजेंसियों के बीच बेहतर कोऑर्डिनेशन किया जाए। नौकाएं, राहत सामग्री आदि का प्रबन्ध समय से किया जाए। बाढ़ध्अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में समय से राहत कार्य पूर्ण किये जाएं। प्रभावित परिवारों को हर सम्भव मदद तत्काल उपलब्ध कराई जाए। राहत कार्य में मझोली और बड़ी नौकाओं का प्रयोग किया जाए। सभी नौका सवार लोग लाइफ जैकेट जरूर पहनें।मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ के दौरान और बाद में बीमारियों के प्रसार की सम्भावना बढ़ जाती है। ऐसे में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य किट तैयार कर जिलों में पहुंचायी जाए। क्लोरीन टैबलेट, ओ0आर0एस0 तथा बुखार आदि की दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सर्प दंश की स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल चिकित्सकीय मदद प्रदान की जाए। बाढ़ के दौरान जलभराव से प्रभावित जनपदों में पशुओं की सुरक्षा के प्रबन्ध किये जाएं। उचित होगा कि बाढ़ के समय पशुओं को अन्यत्र कहीं सुरक्षित स्थान पर रखा जाए। निराश्रित गोआश्रय स्थलों में पशु चारे की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। पशुओं का टीकाकरण समय से पूर्ण किया जाए।

अखिलेश यादव का 51वां जन्मदिन पर बधाई देने वालों का लगा ताँता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का 51वां जन्मदिन आज राजधानी लखनऊ सहित पूरे देश और प्रदेश में पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वतःस्फूर्त ढंग से हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। प्रातः से ही समाजवादी पार्टी राज्य मुख्यालय, लखनऊ में हजारों कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। तमाम लोगों ने बुके, पौधे तथा अन्य स्मृतिचिह्न अखिलेश यादव को भेंटकर जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। बड़ी सख्यां में आये सभी नेता एवं कार्यकर्ता, सभी समाज के लोग, महिलाएं, बच्चे, युवा, अधिकारी, व्यापारी, अधिवक्ता, पूर्व सैनिक, संत, महात्मा, उलेमा आदि ने उन्हें फूलमालाओं से लाद दिया। अखिलेश यादव के जन्मदिन पर देश और प्रदेश में कई स्थानों पर केक काट काटा गया, वृक्षारोपण के साथ मिष्ठान्न, फल, गरीबों को अन्नदान, भंडारे आदि के आयोजन किये गये। अस्पतालों में मरीजों को फल, बांटे गये। दीर्घायु के लिए हवन–पूजन के कार्यक्रम किये गये। सभी कार्यक्रमों में अखिलेश यादव को जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी गई तथा उनके शतायु होने और स्वस्थजीवन की कामनाएं की गई। राजपुरोहित पं0 हरिप्रसाद ने स्वस्तिवाचन कर आशीर्वाद दिया। पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह ने अखिलेश यादव के शतायु होने की कामना की। समाजवादी किन्नर सभा की अध्यक्ष पायल सिंह ने अखिलेश यादव की आरती उतारी और दीर्घायु होने की कामना की। चित्रकूट के विधायक श्री अनिल प्रधान ने नेताजी की प्रतिमा भेंट की। श्री सुनील सिंह साजन पूर्व एमएलसी ने बरगद का वृक्ष और जानकी पाल ने पौधा भेंट किया। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ ने गीत संगीत के कार्यक्रम पेश किये।अखिलेश यादव ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में व्यक्त की गई शुभकामनाओं के लिए आभार जताते हुए कहा कि पीडीए सबको जोड़ता है। यह आरएसएस की लगने वाली शाखाओं का जवाब है। उन्होंने कहा भाजपा की नफरती राजनीति को रोकने का काम समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में किया है। समाजवादी पार्टी ने देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर नेताजी का सपना पूरा किया है। कहा कि अयोध्या में समाजवादी पार्टी की जीत भाजपा की तानाशाही और साम्प्रदायिकता की पराजय है। भाजपा ने तीन नए कानून बनाकर नागरिक अधिकारों का हनन कर संविधान पर हमला किया। लोकतंत्र में यह अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी–पीडीए की संविधान और लोकतंत्र बचाने की यह लड़ाई अभी जारी रहेगी।अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई देने वालों में शामिल सर्वश्री राजेन्द्र चौधरी, बृजेन्द्र सिंह पूर्व सांसद, डॉ0 मधु गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, कृष्ण कन्हैया पाल राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता सभा, समाजवादी छात्र सभा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ0 इमरान, सैनिक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष शरद सरन, प्रवक्ता श्री अखिलेश कटियार, संतोष पाण्डेय, रामवृक्ष सिंह यादव, जावेद आब्दी, राम जतन राजभर, हाजी रिजवान, सर्वेश अम्बेडकर, मुन्नी पाल, डॉ0 राजपाल कश्यप, ललई यादव, सुनील सिंह साजन, सीएल वर्मा, एस.के राय, अमित यादव जरीना उस्मानी, डॉ0 फिदा हुसैन अंसारी, डॉ0 मरगूब कुरैशी राम प्रताप यादव, राजेन्द्र श्रीवास्तव, विनीत यादव, दानिश सिद्दीकी एडवोकेट, मान सिंह सेंगर, मधु यादव, मीना यादव गजेन्द्र मिश्र, सोनू कनौजिय आदि प्रमुख हैं।अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई देने वालों में विधायकगण बलराम यादव, लाल बिहारी यादव, आशु मलिक, अताउर्रहमान, सचिन यादव, बृजेश यादव, सर्वेश सिंह पंकज पटेल, अनिल प्रधान एचएन पटेल, राजेन्द्र प्रसाद दुर्गा यादव, जयकिशन साहू प्रमुख रहे। समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर आज नगर निगम पार्षद दल के उपनेता देवेन्द्र सिंह जीतू तथा वरिष्ठ नेता नवीन धावन बंटी औरमंजीत सिंह तथा धीरज यादव द्वारा आयोजित भंडारे का उद्घाटन राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने किया।

अफसरों ने परखी रेलवे लाइन की हकीकत

लखनऊ । पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर संजय सिंहल ने आज गोंडा कचहरी–करनैलगंज खंड (23.65 किमी.) पर मुख्य विद्युत इंजीनियरधनिर्माण ओ.पी. सिंह एवं लखनऊ मण्डल के अपर मण्डल रेल प्रबन्धक (इंफ्रा0) राजीव कुमार तथा वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियरध्टीआरडी धनन्जय मिश्रा, उप मुख्य विद्युत इंजीनियरधनिर्माण सत्येन्द्र यादव सहित मंडल के अन्य शाखाधिकारियों की उपस्थिति में 25 केवी ए.सी, सिंगल फेस, 50भ्र ओएचई तीसरी लाइन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के आरम्भ में करनैलगंज स्टेशन पहुँचने पर प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर संजय सिंहल ने स्टेशन अधीक्षक कक्ष, विद्युत यार्ड प्लान, आईपीएस एवं बैटरी रूम, ओएफसी आदि का निरीक्षण किया तथा स्टेशन पर उपस्थित रेल कर्मियों को संरक्षा हेतु रेलवे लाइन के विद्युतीकृत होने के पश्चात् रेल फ्रैक्चर के दौरान होने वाली विषम परिस्थितियों में कार्य करने की तकनीकी जानकारी प्रदान की। उन्होंने करनैलगंज एस.एस.पी.(नइ ैमबजपवदपदह – चंतंससमसपदह च्वेज) का भी निरीक्षण किया। इसके उपरांत पुश टॉवर वैगन से करनैलगंज–गोंडा कचहरी खण्ड के मध्य मेजर पुल संख्या – 377, समपार सं0– 280ए का मानकों के अनुरूप विद्युतकर्षण लाइन फिटिंग्स, बैटरी रूम, न्यूट्रल सेक्शन, ओवर हेड ट्रैक्शन लाइन की मानक ऊँचाई का निरीक्षण किया। तदुपरांत मैजापुर स्टेशन पहुँचने पर प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री संजय सिंहल ने स्टेशन अधीक्षक कक्ष, विद्युत यार्ड प्लान, आईपीएस एवं बैटरी रूम, ओएफसी, एस.एस.पी आदि का निरीक्षण किया तथा रेल कर्मियों से संरक्षा संवाद करते हुए नवीन परिस्थितियों में कार्य करने की तकनीकी जानकारी प्रदान की। अपने निरीक्षण के अन्त में गोण्डा कचहरी स्टेशन पहुचने पर उन्होंने रिले रूम, विद्युत यार्ड प्लान, आईपीएस एवं बैटरी रूम तथा ओवर हेड ट्रैक्शन लाइन की मानक ऊंचाई व संरक्षा के सभी पहलुओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (तृतीय), वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबन्धकध्सा0, सहायक मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी, सहायक विद्युत इंजीनियर(सा0) एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। यात्री जनता की सुविधा एवं परिचालनिक सुगमता हेतु पूर्वोत्तर रेलवे के गोंडा–बुढ़वल खंड (61.72 किमी.) तीसरी रेल लाइन निर्माण के प्रथम चरण में गोंडा कचहरी–करनैलगंज खंड (23.65 किमी.) पर 04 जुलाई 2024 को रेल संरक्षा आयुक्त इस तीसरी रेल लाइन का निरीक्षण करेंगे तथा स्पीड ट्रायल भी किया जायेगा। सभी क्षेत्रीय जनता एवं विशेषकर रेलवे लाइन के समीपवर्ती इलाकों में रहने वाले निवासियों को सचेत किया जाता है कि निरीक्षण एवं स्पीड ट्रायल के दौरान वह रेलवे लाइन पर गाड़ियों के सञ्चालन के प्रति सतर्कता बरतें तथा अपने मवेशियों को रेलवे लाइन के आस पास खुले में न छोड़ें।

केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरूपयोग कर सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ इंडिया गठबंधन का संसद में हल्ला बोल

इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों ने जांच एजेंसियों का राजनीतिक इस्तेमाल करने पर केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ किया विरोध–प्रदर्शन

'नई दिल्ली, केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा जांच एजेंसियों का राजनीतिक इस्तेमाल करने के खिलाफ पूरा इंडिया गठबंधन लामबं हो गया है। पिछले 10 साल से केंद्र सरकार द्वारा अपने राजनीतिक लाभ के लिए विपक्षी दलों के नेताओं को टारगेट किया जा रह है। यह सिलसिला अभी भी जारी है। लिहाजा, सोमवार को कांग्रेस, टीएमसी, सपा और आम आदमी पार्टी समेत इंडिया गठबंधन क सभी घटक दलों ने एकजुट होकर संसद परिसर में विरोध–प्रदर्शन किया। इंडिया गठबंधन ने एक स्वर में केंद्र सरकार से जांच एजेंसियो का दुरुपयोग बंद करने साथ ही जेल में बंद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को तत्काल रिहा करने की मांग की। ''आप'' सांसद संजय सिंह ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने ईडी–सीबीआई का दुरुपयोग कर अरविं केजरीवाल को जेल में डाला है। इसी तरह, पूरे देश में विपक्षी दलों के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रह है। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों ने सोमवार को केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन को लेकर संसद पहुंचे। सभी दलों के सांसद और राज्यसभा सदस्य अपने हाथ में 'जांच एजेंसियों का दुरुपयोग बंद करो नारा लिखे पोस्टर लेकर संसद पहुंचे। सभी दल के नेता परिसर में एकत्र हुए और केंद्र सरकार के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन शुरु किया। इस दौरान इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संसद परिसर में तानाशाही–हिटलरशाही नहीं चलेगी, केजरीवाल को रिहा करो ईडी–सीबीआई का दुरुपयोग बंद करो के जमकर नारे लगाए। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह न कहा कि आज पूरे देश में केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार ने ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग कर अरविंद केजरीवाल को जेल में डाला है। बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडू और महाराष्ट्र समेत देश भर में कांग्रेस व अन्य राजनीतिक पार्टियों के खिलाफ जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। आज पूरा इंडिया गठबंधन इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहा है। ट्रायल कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा है कि ईडी के पास अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। ईडी केजरीवाल के खिलाफ दुर्भावना से काम कर रही है। इसके बावजूद सीबीआई ने झूठा मुकदमा लगाकर उन्हें जेल में डाल दिया गया

दशहरे से पूर्व रामलीला मैदानों के जीर्णोद्वार, सौन्दर्यीकरण तथा साज–सज्जा का कार्य हरहाल में पूरे कर लिए जाएं

चहारदीवारी की दीवारों पर म्यूरल, चित्र एवं टेरीकोटा के निर्माण में वैदिककाल की अनुभूति होनी चाहिए–जयवीर सिंह

लखनऊ रूउत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने जनपद हरदोई, मैनपुरी, एटा, कुशीनगर तथा प्रतापगढ़ में स्थित रामलीला मैदानों की चहारदीवारी तथा सौन्दर्यीकरण के कार्य अक्टूबर 2024 में दशहरे से पहले हरहाल में पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। इन आदेशों के अनुपालन में कार्यदायी संस्थाओं द्वारा निर्धारित समय में कार्य पूर्ण करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य कराया जा रहा है। यह जानकारी आज यहां प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

उल्लेखनीय है कि पर्यटन मंत्री ने 12 जून, 2024 को समीक्षा बैठक में संस्कृति विभाग के अधीन निर्माणाधीन परियोजनाओंध्कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने मैनपुरी की नगर पंचायत कुसमरा के रामलीला मैदान की बाउन्ड्रीवॉल गेट निर्माण आदि का कार्य दशहरा से पहले करने के निर्देश दिए थे। इसी प्रकार जनपद हरदोई के रामलीला मैदान सण्डीला में भवन निर्माण एवं अन्य विकास कार्य भी समय से पूरा करने को कहा गया था। पर्यटन मंत्री ने बताया कि जसवंत नगर रामलीला मैदान की तर्ज पर समस्त रामलीला मैदानों में भी रामायण आदि रामलीला के म्यूरलध्चित्रध्टेरीकोटा से बनवाये जाने के लिए निदेशक ललित कला अकादमी को तेजी से कार्यवाही करने के निर्देश दिए गये थे। इन रामलीला की चहारदीवारियों पर मंच के निर्माण के अलावा समस्त कार्य वैदिक रूप से किये जाने के निर्देश दिए गए। जनपद एटा के अलीगंज स्थित रामलीला मैदान का भी सौन्दर्यीकरण दशहरे से पहले करने के निर्देश दिए गए। जयवीर सिंह ने जनपद कुशीनगर में रामजानकी मठ पर सार्वजनिक रामलीला मैदान में चहारदीवारी एवं अन्य कार्य कराये जा रहे हैं। ये सभी कार्य 30 प्रतिशत तक पूरे हो चुके हैं। कार्यदायी संस्था ने आश्वस्त किया है कि अक्टूबर 2024 तक समस्त कार्य पूरे कर लिए जायेंगे। जनपद प्रतापगढ़ की नगर पंचायत गड़वारा स्थित प्राचीन रामलीला मैदान के जीर्णोद्धार का कार्य 20 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। इसी प्रकार अवध केसरी राणा बेनी माधव बक्श सिंह की स्मृति में रायबरेली सभागार संरचना के द्वितीय चरण के निर्माण कार्य हेतु टेण्डर की कार्यवाही में विलम्ब के लिए असंतोष व्यक्त किया था और कहा कि आचार संहिता समाप्त होने के बाद टेण्डर की प्रक्रिया पूरी कर लेनी चाहिए थी। उन्होंने बताया कि समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। लापरवाही की दशा में जवाबदेही तय की जायेगी।

बरेली मण्डल में निराश्रित गोवंश के संरक्षण हेतु 05 जुलाई से 20 जुलाई तक अभियान चलाया जाए

गोसंरक्षण कार्यों की दिशा में बरेली मण्डल को आदर्श मण्डल बनाया जाए गोआश्रय स्थलों के प्रबन्धन हेतु आवंटित धनराशि को पारदर्शिता तथा वित्तीय अनुशासन का पालन करते हुए व्यय किया जाए – धर्मपाल सिंह

संवाददाता।

लखनऊ उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि दिनांक 05 जुलाई से 20 जुलाई तक अभियान चलाकर बरेली मण्डल के निराश्रित गोवंश को गोआश्रय स्थलों में पहुंचाया जाए। गोसंरक्षण कार्यों की दिशा में बरेली मण्डल को आदर्श मण्डल के रूप में स्थापित किया जाए और मण्डल के तहत जनपद बदायूं, पीलीभीत, बरेली तथा शाहजहांपुर के गोआश्रय स्थलों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। वर्षाकाल के दृष्टिगत प्रदेश की गौशालाओं में संरक्षित निराश्रित गोवंश हेतु चारा–भूसा, पानी, प्रकाश एवं गोवंश के भीगने से बचाव हेतु टीनशेड की बेहतर इन्तजाम किये जाने पर विशेष ध्यान दिया जाय। इसके अतिरिक्त कीचड़ से बचाव हेतु पक्का सोलिंग कार्य कराये जाने के भी निर्देश दिए।

पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह आज यहां विधानभवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में निराश्रित गोवंश के वर्षाकाल के समय संरक्षण, गोशालाओं की सुविधाओं एवं बरेली मण्डल में निराश्रित गोवंश की अद्यतन स्थिति के संबंध में समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गोआश्रय स्थलों में जलभराव की समस्या के निस्तारण हेतु समय से पूरे इन्तजाम किए जाएं और संक्रामक रोगों से बचाव हेतु आवश्यक दवाइयों एवं वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी मुख्य पशुचिकित्साधिकारियों द्वारा संभावित बाढ़ आपदा से पशुधन पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव एवं पशुहानि से बचाव हेतु जारी दिशा–निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन के निर्देश दिए। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री ने निर्देश दिए कि यदि कहीं निराश्रित गोवंश सड़कों या खेतों में दिखायी दें तो उन्हें उपयुक्त स्थल पर संरक्षित किया जाए। उन्होंने गोआश्रय स्थलों के निर्माण के लिए आवंटित धनराशि को पारदर्शिता तथा वित्तीय अनुशासन का पालन करते हुए व्यय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की समयबद्धता और उच्च गुणवत्ता का पालन जरूरी है। निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु के दृष्टिगत नैपियर घास भी लगवाई जाए ताकि हरे चारे की भी उपलब्धता वर्ष पर्यन्त हो सके। गोआश्रय स्थलों पर सोलर लाइट की भी व्यवस्था करायी जाए और संरक्षित गोवंश का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण संबंधित पशुचिकित्साधिकारियों द्वारा किया जाए। बैठक में प्रमुख सचि रविन्द्र ने मंत्री को आश्वस्त किया कि मंत्री जी द्वारा दिए गये सभी दिशा–निर्देशों का पालन पूर्ण रूप से सुनिश्चित कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि सभी जनपदों के अधिकारियों द्वारा वर्षाकाल के दृष्टिगत पशुधन की सुरक्षा हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त गोशालाओं के निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण कराये जायेंगे।

बैठक में पशुधन विभाग के विशेष सचिव श्री देवेन्द्र पाल ने पशुपालन विभाग के निदेशक, प्रशासन एवं विकास डॉ0 रघुनाथ सिंह निदेशक रोग नियंत्रण प्रक्षेत्र डॉ0 पी0एन0 सिंह, अपर निदेशक डॉ0 जयकेश कुमार पाण्डेय तथा अपर निदेशक डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

उच्चशिक्षा हेतु सी.एम.एस. छात्रा को 79,000 अमेरिकी डॉलर की स्क लरशिप

लखनऊ, 1 जुलाई। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस के छात्र नवतेज सिंह बावा को उच्चशिक्षा हेतु कैनडा की क्वीन्स यूनिवर्सिटी द्वारा 79,000 अमेरिकी डॉलर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। नवतेज को यह स्कॉलरशिप चार वर्षीय उच्चशिक्षा की अवधि के दौरान प्रदान की जायेगी। सी.एम.एस. छात्र ने इस सफलता का श्रेय विद्यालय के अपने शिक्षकों व विद्यालय के शान्तिपूर्ण शैक्षिक वातावरण को दिया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सी.एम.एस. छात्र की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। सी.एम.एस. एस.ए.टी. (सैट) एवं एडवान्स प्लेसमेन्ट (ए.पी.) टेस्ट सेन्टर भी है जो उत्तर प्रदेश एवं आसपास के अन्य राज्यों के छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध करा रहा है।

प्रतिवर्ष भारी संख्या में सी.एम.एस. छात्र विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में उच्चशिक्षा हेतु चयनित होते हैं। इस वर्ष अभी तक सी.एम.एस. के 90 से अधिक छात्रों ने अमेरिका, इंग्लैण्ड, कैनडा, आस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, जर्मनी आदि विभिन्न देशों के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों जैसे कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, कैलीफोर्निया इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कैलटेक), मैसाचुसेट्स इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.आई.टी.), स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी, कार्नेल यूनिवर्सिटी, मेलबर्न यूनिवर्सिटी एवं नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर आदि में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर लखनऊ का नाम रोशन किया है।

ग्रीष्मावकाश के उपरान्त खुले सी.एम.एस. के सभी कैम्पस, छात्रों व अभिभावकों में छाई खुशी की लहर

लखनऊ, 1 जुलाई। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के सभी कैम्पस गर्मी की छुट्टियों के उपरान्त आज से पुनः खुल गये और सभी 21 कैम्पसों में आज से नियमित पढ़ाई प्रारम्भ हो गई। आज स्कूल खुलने पर शिक्षकों, छात्रों व अभिभावकों की खुशी देखने लायक थी। छात्रों की खुशी का आलम यह रहा कि आज पहले ही दिन विद्यालय के सभी कैम्पसों के लगभग शत–प्रतिशत उपस्थित दर्ज की गई तथापि सी.एम.एस. के सभी कैम्पसों के शिक्षक–शिक्षकाओं व छात्रों ने साथ मिलकर बड़े हर्षोल्लास से 'विद्या का पर्व' समारोह मनाया। सी.एम.एस. संस्थापिका–निदेशिका व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. भारती गाँधी ने स्कूल खुलने पर छात्रों व शिक्षकों को बधाई देते हुए विद्यालय के सभी 63000 से अधिक छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। डा. गाँधी ने छात्रों का आह्वान किया कि समय को सदुपयोग करते हुए खूब मन लगाकर पढ़ें और अपने माता–पिता व शिक्षकों का नाम रोशन करें। डेढ़ महीने बाद स्कूल पहुँचे छात्रों का विद्यालय परिसर में भरपूर स्वागत हुआ। पढ़ाई का उत्साह, शिक्षकों का आत्मीय मार्गदर्शन व स्नेह एवं आध्यात्मिकता व नैतिकता से ओतप्रोत सी.एम.एस. का शान्तिपूर्ण शैक्षिक वातावरण छात्रों के उत्साह व उमंग को दोगुना कर रहा था। छात्रों का कहना था कि गर्मी की छुट्टियों के दौरान हमने अपने क्लासरूम को बहुत याद किया।

योगिनी एकादशी 02 जुलाई को होगी, इस्कॉन

लखनऊ रूइस्कॉन मन्दिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी ने बताया कि दिनांक 02 जुलाई , 2024 दिन मंगलवार को योगिनी एकादशी है स प्रत्येक एकादशी को मन्दिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी द्वारा इस्कॉन मन्दिर मे भक्तों के लिए श्रीमद भागवतम की कक्षा प्रातः 06:00 बजे रखी जाती है, जिसका जूम पर भी सीधा प्रसारण किया जाता है स भक्तगण एकादशी पर श्रीमद भागवतम कक्षा हेतु मन्दिर आ सकते हैं अथवा जूम पर जुड़ सकते हैं, जिसका विवरण निम्न हैरू– जूम आईडी –81097984237 पासवर्ड – 2021एकादशी व्रत रखने के साथ–साथ अगले दिन समय से व्रत का पारण किया जाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है सव्रत पारण समयरू दिनांक 03 जुलाई बुधवार को प्रातः 05:17 से 07रू13 बजे तक।

अन्तर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (ISKCON), लखनऊ
योगिनी एकादशी
मंगलवार,02 जुलाई 2024
व्रत प्रातः 05:17 बजे प्रारम्भ होगा।
पारण समय- बुधवार, 3 जुलाई 2024
प्रातः 05:17 से 07:13 तक

सरकारी कार्यों में भ्रष्टाचार की दरार, निर्माणधीन भवन में आई दरार

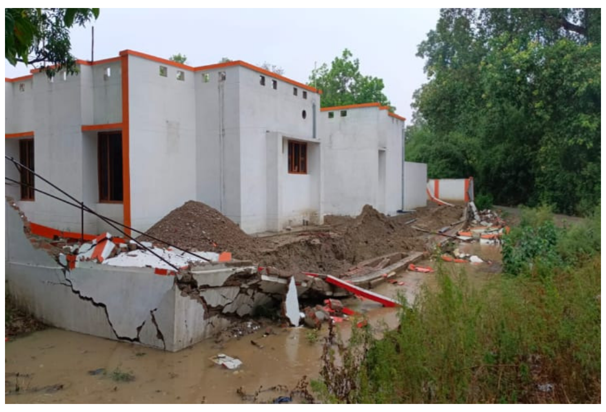

सुल्तानपुर(आरएनएस)। सरकार के विकास कार्यों में भ्रष्टाचार की नींव मजबूत होती दिख रही है। परत दर परत भ्रष्टाचार के मामले सामने आ रहे। यहां लम्भुआ में पुलिस कर्मियों की आवासीय बिल्डिंग में दरारे आ गई हैं। भवन हैंडओवर होने पूर्व ऐसी अनिमियतता जीरो टॉलेंस पर सवालिया चिन्ह है।

लंभुआ में थाने के पीछे पुलिस कर्मियों के लिए सरकारी आवास का निर्माण हो रहा है। जिसकी अनुमाति लागत एक करोड़ 75 लाख है इससे आवास निर्मित होना है। जिसमे भ्रष्टाचार की पोल खुल गई है। निर्माणाधीन आवास की दीवारों में पहली ही बरसात में बनने से पहले दरार आ गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। निर्माण में अनियमितिता बरती जाती रही और अधिकारी इस ओर देखना मुनासिब नहीं समझे। वही जिस तरह से शुरुआत में ही दरारें आनी शुरू हुई है उससे निर्माणाधीन आवास में कोई दुर्घटना भी हो सकती है। बता दें कि अगस्त के अंत तक आवास को पूर्ण करके बिल्डिंग विभाग को हैंडओवर करने के निर्देश दिए गए हैं। ठेकेदार महेंद्र सिंह ने बताया कि आवास निर्माण का टेंडर रांची निर्माण निगम संस्था के पास है। हालांकि सुपरवाइजर सुदर्शन ने बताया कि दीवारों में कुछ दरारें आई थी जिसको गिरा दिया गया है और उसे फिर से बनाया जाएगा। आपको बता दें कि आवास 48 लोगों के रहने की क्षमता वाला बनाया जा रहा है। उधर दो दिन पूर्व भ्रष्टाचार के चलते बरसात के बाद बल्दीराय सीओ ऑफिस की बाउंड्रीवाल गिर गई थी। छत में दरार आई थी। ग्राम पंचायत बहुरावां स्थित मुसाफिरखाना–देवरा मार्ग के बहुरावा बाजार में खाली पड़ी सरकारी जमीन गाटा संख्या 1624 मि. व 1626मि. को पुलिस क्षेत्राधिकारी कार्यालय के लिए अधिकृत किया गया था। जिलाधिकारी के आदेश पर उक्त जमीन को पुलिस क्षेत्राधिकारी कार्यालय के नाम से हस्तांतरित किया गया। 60 लाख से बन रहे क्षेत्राधिकारी कार्यालय में मानकों की अनदेखी की गई। छत से पानी टपक रहा है। पहली ही बरसात में बाउंड्रीवाल गिर गई। वही हाल ही में नगर में बनकर तैयार हुए गोपाल दास पुल की सड़क बैठ गई थी। मोतिगरपुर में दियरा–लम्भुआ मार्ग पर बने पुल का अप्रोच भी बरसात से बैठा है। हाल ही एप्रोच का कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया गया है। वही नगर के करौनदिया मोहल्ले में हो रहे नाला निर्माण में पीली ईंटे व बालू युक्त मसाला प्रयोग किया जा रहा।

नेशनल हाइवे पर बस व ट्रैक्टर में भीषण टक्कर, दो की मौत

लम्भुआ सुलतानपुर (आरएनएस)। कोतवाली क्षेत्र के दियरा रोड स्थित बाईपास के पास ओवर ब्रिज के पास बीती देर रात हादसा हुआ। परिवहन निगम की पिंक बस सेवा में लगी रोडवेज बस लखनऊ से वाराणसी के लिए जा रही थी। जब बस लम्भुआ के बाईपास स्थित ओवर ब्रिज के पास पहुंची तभी वाराणसी से लखनऊ जा रहे एक ट्रैक्टर बस की भिड़ंत हो गई। बस व ट्रैक्टर दोनों ही वाहन काफी स्पीड में थे। भिड़ंत होते ही ट्रैक्टर के परखच्चे उड़ गए। ट्रैक्टर चालक व उस पर सवार एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। आसपास के लोग तत्काल दोनों घायलों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान शाहजहांपुर निवासी अखिलेश कुमार (30) पुत्र जगदीश वर्मा व रायबरेली निवासी राहुल (32) पुत्र हरिशंकर के रूप में हुई है। लम्भुआ पुलिस ने दोनों शवो को पोस्टमार्टम में भेजकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

इनायतनगर थाने पर आयोजित गोष्ठी को सम्बोधित करते एसएसपी राज करन नय्यर

नए कानून को लेकर हुई जागरूकता गोष्ठी

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। देश में अब से सभी नई एफआईआर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत दर्ज की जाएंगी। हालांकि जो मामले एक जुलाई से पहले दर्ज किए गए हैं उनके अंतिम निपटारा होने तक उन केसों में पुराने कानूनों के तहत केस चलते रहेंगे। नए कानून में अब हत्या करने पर धारा 302 नहीं, 101 लगेगी। धोखाधड़ी की धारा 420 के स्थान पर अब 318 हो गई है। दुष्कर्म की धारा 376 नहीं, अब धारा 63 में मुकदमा दर्ज होगा। वही शादीशुदा महिला को फुसलाना अब अपराध है, जबकि जबरन अप्राकृतिक यौन संबंध अब अपराध की कैटेगरी में नहीं आएगा। आज एक जुलाई से देशभर में तीन नए क्रिमिनल कानून लागू होने से ये बदलाव हुए हैं। कई प्रोसीजरल बदलाव भी हुए है। जैसे अब घर बैठे ई– एफआईआर दर्ज कराकर तीसरे दिन अपनी इनफॉरमेशन रिपोर्ट की कॉपी प्राप्त कर सकेंगे। इनायत नगर थाना परिसर में सोमवार को इन नए कानूनों की जानकारी के लिए गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में क्षेत्र के सम्भ्रांत लोग के साथ क्षेत्र की महिलाओं को इन नए कानूनों की जानकारी गोष्ठी में दी गई। गोष्ठी में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करन नय्यर ने इन बदलावों के बारे में बताया। नए कानून क्या हैं, सजा, जुर्माना को लेकर क्या बदला है यह सब बताया। अभियोजन अधिकारी शरद यादव, अतुल मिश्रा ने बताया कि जो नए कानून आए हैं उनके बारे में लोगों, आम जनता और पुलिस कर्मियों को जानकारी देने के लिए गोष्ठियां की जा रही हैं। आज गोष्ठी का आयोजन इसलिए किया गया। ताकि सभी को उन कानूनों की जानकारी दी जा सके। इसमें महिलाओं बच्चों को लेकर कानूनों में कुछ बदलाव किए हैं, जिनकी जानकारी देते हुए कहा गया कि पहले हर अपराधों के अलग–अलग चौप्टर पर जानकारियां मिलती थी। लेकिन अब बच्चों और महिलाओं से संबंधित जो भी अपराध होंगे एक ही चौप्टर में सारी धाराएं मालूम हो जाएगी।

अब डिजिटल साक्ष्य न्यायालय में बतौर सबूत होंगे स्वीकार अतुल सोनकर

सोहावल– अयोध्या(आरएनएस)। सोमवार से देश भर में लागू हुए नए कानून को लेकर जानकारी और जागरूकता गोष्ठी रौनाही में संपन्न हुई। दोपहर थाना परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर, प्रभारी निरीक्षक पंकज सिंह, सीडीपीओ सहित ग्राम प्रधान, आंगन बाड़ी कार्यकत्री, राजनीतिक दलों के लोग, सामाजिक कार्यकर्ता और मीडिया कर्मी विशेष रूप से बुलाए गए थे। गोष्ठी में भारत सरकार के पुराने कानूनों की जगह स्थापित किए गए नए कानून में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक संहिता, और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे दस्तावेजी कानून पर व्यापक चर्चा की गई। मुख्य अतिथि रहे पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने कहा अब नए कानून में व्यवस्था है कोई भी भारत वर्ष के किसी भी थाने से अपनी रिपोर्ट दर्ज करा सकता है। व्यक्ति का अपने थाना क्षेत्र में होना जरूरी नही है। अब डिजिटल और इलेक्ट्रानिक साक्ष्य न्यायालय में बतौर सबूत स्वीकार किए जायेंगे। मॉब लांचिंग जैसी घटनाओं के लिए अलग से कानून और सख्त सजा का प्राविधान है।

रक्तदान कर सपाइयो ने मनाया अखिलेश यादव का जन्मदिन

सुलतानपुर(आरएनएस)। सपाइयो ने सोमवार को रक्तदान कर सपा प्रमुख व पूर्व सीएम अखिलेश यादव का बर्थडे मनाया। करीब पचास लोगों ने रक्तदान किया। सपा प्रवक्ता अनूप संडा ने श्साथी हाथ बढ़ानाश के नाम से एक मुहिम चलाई थी। जिसके तहत राजकीय मेडिकल कॉलेज के ब्लड बैंक में लोग डोनेशन को पहुंचे थे। अस्पताल में रक्तदान के लिए युवाओं की भीड़ लगी रही। पूर्व विधायक व राष्ट्रीय प्रवक्ता के नेतृत्व में खासा लोग अस्पताल पहुंचे थे। यहां फीता काटकर ब्लड कैम्प का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर मीडिया से कहा कि रक्तदान का उद्देश्य उन लोगों के लिए जो जरूरतमंद हैं जिनको रक्त की जरूरत है उनके लिए रक्त उपलब्ध कराना रहा है। उन्होंने कहा हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ लोहिया के उस सिद्धांत को मानने वाले हैं जिसमे सेवा और संघर्ष से राजनीति को आगे बढ़ाया जाता है। इसलिए आज उनके जन्मदिन के अवसर पर साथी हाथ बढ़ाना अभियान जो लगातार समाज के लिए रचनात्मक कार्य करता रहता है उसके बैनर तले ये रक्तदान शिविर लगाया गया है। अखिलेश यादव के 51वें जन्मदिन के अवसर पर सपाई खासा खुश दिखाई दिए। जिले भर में अलग अलग जन्मदिन कार्यक्रम सपा पदाधिकारियो द्वारा आयोजित किया गया। जिसमे सपा का पीडीए वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रमुख रहा। इसके अलावा केक काटकर व फल वितरित कर सपाइयो ने अपने नेता का जन्मदिन मनाया है।

'नेशनल पोस्टल वर्कर्स डे'

डाककर्मियों की भूमिका में हो रहे तमाम परिवर्तन

सुलतानपुर(आरएनएस)। विश्व भर में डाक सेवाओं में आमूल चूल परिवर्तन आये हैं। फिजिकल मेल से डिजिटल मेल के इस दौर में डाक सेवाओं में विविधता के साथ कई नए आयाम जुड़े हैं। डाककर्मी सरकारों और आमजन के बीच सेवाओं को प्रदान करने वाले एक अहम कड़ी के रूप में उभरे हैं। ऐसे में 1 जुलाई को पूरी दुनिया में 'नेशनल पोस्टल वर्कर्स डे' के दिन डाककर्मियों का आभार व्यक्त करने का प्रचलन उभरा है। प्रयागराज एवं वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि 'नेशनल पोस्टल वर्कर डे' की अवधारणा अमेरिका से आई, जहाँ वाशिंगटन राज्य के सीएटल शहर में वर्ष 1997 में कर्मचारियों के सम्मान में इस विशेष दिवस की शुरुआत की गई। धीरे–धीरे इसे भारत सहित अन्य देशों में भी मनाया जाने लगा। यह दिन दुनिया भर में डाककर्मियों द्वारा की जाने वाली सेवा के सम्मान में मनाया जाता है।प्रयागराज एवं वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि डाककर्मियों की भूमिका में तमाम परिवर्तन आए हैं। 'डाकिया डाक लाया' के साथ 'डाकिया बैंक लाया' भी अब उतना ही महत्वपूर्ण है। पत्रों व पार्सल के साथ–साथ आधुनिक दौर में लोगों के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण चीजें पोस्टमैन ही घर–घर वितरित करता है। आधार कार्ड, पासपोर्ट, पैन कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, बैंक चेक बुक, एटीएम जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों के साथ–साथ विभिन्न मंदिरों के प्रसाद, दवाईयां और रक्षाबंधन पर्व पर राखियाँ भी डाकियों द्वारा ही पहुँचायी जा रही हैं। ई–कामर्स को बढ़ावा देने हेतु कैश ऑन डिलीवरी, लेटर बाक्स से नियमित डाक निकालने हेतु मोबाईल एप एवं डाकियों द्वारा एण्ड्रोयड बेस्ड स्मार्ट फोन आधारित डिलीवरी और वित्तीय सेवाएं प्रदान करना जैसे तमाम कदम डाक विभाग की अभिनव पहल हैं। पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि डाक विभाग का सबसे मुखर चेहरा डाकिया है। डाकिया की पहचान चिट्ठी–पत्री और मनीऑर्डर बाँटने वाली रही है, पर अब डाकिए के हाथ में स्मार्ट फोन और बैग में डिजिटल डिवाइस भी है। इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से आर्थिक और सामाजिक समावेशन के तहत पोस्टमैन चलते–फिरते एटीएम के रूप में नई भूमिका निभा रहे हैं और जन सुरक्षा योजनाओं से लेकर आधार, डीबीटी, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, ई–श्रम कार्ड, वाहन बीमा, डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट तक की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। घर–घर जाकर आईपीपीबी के अंतर्गत डाकियों द्वारा घर बैठे 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार बनाने, आधार में मोबाइल नंबर अपडेट करने के कार्य किए जा रहे हैं। आज भी डाककर्मी जाड़ा, गर्मी, बरसात की परवाह किये बिना सुदूर क्षेत्रों तक डाक सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

जिला चिकित्सालय का निरीक्षण डीएम नितीश कुमार द्वारा किया गया

जिला चिकित्सलाय की व्यवस्थाओं का डीएम ने किया निरीक्षण

–सफाई की व्यवस्था खराब पाये जाने पर प्रबन्धकों को दी चेतावनी

अयोध्या(आरएनएस)। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने जिला चिकित्सालय एवं जिला महिला चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों, परिसर सहित चिकित्सालय की विभिन्न व्यवस्थाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय एवं जिला महिला चिकित्सालय के वार्डों में साफ–सफाई की व्यवस्था बेहतर पायी गयी, जबकि दोनों चिकित्सालयों के परिसरों में सफाई की व्यवस्था खराब पाये जाने पर दोनों प्रबन्धकों को चेतावनी देते हुये यथाशीघ्र सम्पूर्ण परिसर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ एवं साफदृसुथरा करने के निर्देश दिये। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा कैम्पस में अव्यवस्थित रूप से खड़े किए गए निष्प्रयोज्य वाहनों को तत्काल हटवाने तथा परिसर को ड्रेनेज व्यवस्था को ठीक कराने, कैम्पस में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा उसमें उपयोग होने वाले सामाग्रियों को नियमित व्यवस्थित रूप से रखने तथा मलबा आदि को तत्काल हटवाते रहने के निर्देश दिये। इस दौरान जिलाधिकारी ने परिसर में चल रहे फायर फाइटिंग के कार्य को तेजी से कराने तथा सभी कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के तीमारदारों हेतु बनाये गये निःशुल्क रैन बसेरों का भी निरीक्षण किया तथा उसमें साफ सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा रैन बसेरे की अधिक से अधिक उपयोगिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने दोनों चिकित्सालयों के परिसर में व्यवस्थित रूप से वाहनों को खड़ा कराने हेतु प्रबन्धकों को निर्देशित किया। जिलाधिकारी द्वारा सीटी स्कैन व्यवस्था का अवलोकन किया गया इस अवसर पर अवगत कराया गया कि रोजाना 30 से 35 मरीजों का सीटी स्कैन किया जाता है। निरीक्षण के दौरान तक 22 मरीजों का सीटी स्कैन किया जा चुका था। जिलाधिकारी ने जन सामान्य हेतु उसे 24 गणे 7 घंटे संचालित करने के निर्देश दिये। उन्होंने चिकित्सा अधीक्षकों एवं समस्त चिकित्सकों को विभिन्न वार्डों में नियमित स्वयं भी विजिट करने के निर्देश दिये और शासन के मशानुरूप चिकित्सालय में आने वाले समस्त मरीजों को बेहतर से बेहतर चिकित्सीय सुविधाएं सुगमता से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जनरल ओटी वार्ड, एस0एन0सी0 वार्ड, वार्म वार्ड तथा जनरल वार्ड सहित विभिन्न वार्डों का भौतिक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 संजय जैन, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक जिला चिकित्सालय, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका जिला महिला चिकित्सालय सहित अन्य सम्बंधित चिकित्सक उपस्थित रहे।

स्कूल चलों अभियान के दूसरे चरण की हुई शुरूआत

–प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश उत्सव का हुआ आयोजन

अयोध्या(आरएनएस)। ग्रीष्मावकास के उपरांत सोमवार से परिषदीय विद्यालयों के संचालन प्रारम्भ होने के साथ ही स्कूल चलों अभियान के दूसरे चरण की शुरूआत हुआ। इस अवसर पर जनपद के समस्त प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश उत्सव कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद से लेकर ब्लाक स्तर तक के अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। समस्त परिषदीय विद्यालयों में आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रमों में सभी शिक्षक, शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों द्वारा अपने–अपने विद्यालय को फूलदृपत्तियों, रंगोली, झंडियों आदि से सजाया गया तथा विद्यालय आने वाले बच्चों को रोलीदृटीका लगाकर उनका स्वागत किया गया। मध्यान्ह भोजन में बच्चों के लिए फल–फूल एवं रूचिकर हलवा, खीर आदि पौष्टिक व्यंजन खिलायें गये। इस अवसर पर कक्षा–1 और कक्षा–6 में नवीन प्रवेश लेने वाले छात्र छात्राओं का विशेष रूप से स्वागत करते हुये उन्हें प्रोत्साहित किया गया। इसी क्रम में आज पूर्वान्हन 8 बजे जिलाधिकारी नितीश कुमार ने तहसील सोहावल क्षेत्रान्तर्गत स्थित इंग्लिश मीडियम कम्पोजिट विद्यालय मुमताज नगर में आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का मां सरस्वती के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया और नवीन प्रवेश लेने वाले छात्र छात्राओं का माला पहनाकर एवं रोली टीका लगाकर उनका स्वागत किया गया तथा उन्हें प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा निपुण असेसमेंट में सफल बच्चों को प्रमाण पत्र व चाकलेट आदि प्रदान कर उन्हें निरन्तर कड़ी मेहनत करने हेतु प्रेरित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा बच्चों को पुस्तकें एवं फल आदि भी वितरित किये गये। इस दौरान जिलाधिकारी ने कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम प्रधान, अभिभावकों एवं शिक्षकों को सम्बोधित करते हुये कहा कि सभी लोग संयुक्त प्रयास करते हुए यह सुनिश्चित किया जाय कि गांव एवं जनपद में कोई भी बच्चा विद्यालय में प्रवेश से वंचित न रहने पाये, इसी के साथ ही उन्होंने विद्यालय से कक्षा–8 उत्तीर्ण करने वाले बच्चों का रजिस्टर तैयार कर बच्चों द्वारा कक्षा 9 में किस विद्यालय में प्रवेश लिया गया का भी विवरण अंकित किए जाने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कोई भी बच्चा ड्रापआउट न होने पाये। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं समस्त अध्यापकों को अभियान चलाकर अपने–अपने विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा–1 से 8 तक के सभी बच्चों का कक्षा एवं विषयवार असेसमेंट का कार्य आगामी एक सप्ताह में पूर्ण करने तथा उसके उपरांत प्रत्येक बच्चें को उनके शैक्षिक स्तर के अनुरूप विषयवार कलस्टर बनाकर उसी के अनुरूप शिक्षा प्रदान करते हुये उन्हें उनकी कक्षा के शैक्षिक स्तर के अनुरूप लाने के निर्देश दिये। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय में संचालित स्मार्ट कक्षाओं का भी निरीक्षण किया गया तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को समस्त अध्यापकों को स्मार्ट कक्षा के संचालन की ट्रेनिंग देने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने बच्चों को भी स्मार्ट कक्षाओं के संचालन को सिखाने के निर्देश दिये तथा समस्त स्मार्ट कक्षाओं को रोस्टर बनाकर सभी बच्चों का प्रतिभाग सुनिश्चित कराते हुये ।

संपादकीय

सरकार की नीतियों और कामकाज का उल्लेख

भारत के संसदीय लोकतंत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण की परंपरा वर्षों पुरानी है। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक, लोक सभा के प्रत्येक आम चुनाव के बाद, पहले सत्र में सदस्यों के शपथ ग्रहण करने और सदन का अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद राष्ट्रपति दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करता है।

यह अभिभाषण सरकार का नीति वक्तव्य होता है। इसमें सरकार की नीतियों और कामकाज का उल्लेख रहता है, इसलिए सरकार के द्वारा ही इसके मसौदे को तैयार किया जाता है। परंपरा तो यह रही है कि इस सबसे गरिमापूर्ण औपचारिक कार्यवाही के दौरान विपक्ष शांतिपूर्ण ढंग से इसे सुनता है।

अभिभाषण के बाद जब सदन में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होती है तो विपक्षी सांसदों को अपनी आपत्तियों और असहमतियों को दर्ज कराने का अवसर मिलता है लेकिन देखा जा रहा है कि कुछ वर्षो से राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान विपक्षी दलों के सांसद सदन में शोरगुल करते हैं और हंगामा बरपाते हैं।

अठारहवीं लोक सभा में जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दोनों सदनों को संबोधित करते हुए मोदी सरकार के पिछले दस वर्षो के कामकाज और उपलब्धियों का जिक्र किया तो विपक्षी दलों के सांसदों ने सदन में शोरगुल मचाना शुरू कर दिया। राष्ट्रपति को निवेदन करना पड़ा कि वे शांतिपूर्ण ढंग से उनके अभिभाषण को सुनें।

राष्ट्रपति मुर्मू ने इस समय के सबसे ज्वलंत राष्ट्रीय मुद्दे के रूप में पेपर लीक की घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पेपर लीक की घटनाओं को बहुत गंभीरता से लिया है और इसे रोकने के लिए कड़े उपाय कर रही है।

जाहिर है कि पेपर लीक का मामला सीधे–सीधे देश के छात्र–छात्राओं के भविष्य के साथ जुड़ा हुआ है। निश्चित रूप से सरकार को ऐसे सख्त कदम उठाने चाहिए कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

राष्ट्रपति ने युवाओं की बात को आगे बढ़ाते हुए जब यह कहना शुरू किया कि सरकार की कोशिश है कि देश के युवाओं को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिले तो उनके इतना भर कहने पर विपक्ष के सदस्यों ने सदन के अंदर हंगामा करना शुरू कर दिया।

उन्होंने पच्चीस जून, 1975 को देश की जनता पर आपातकाल थोपे जाने की घटना को संविधान और लोकतंत्र पर बड़ा हमला बताया। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी असंवैधानिक ताकतों पर देश ने विजय हासिल की क्योंकि भारत के मूल्यों में गणतंत्र की ही परंपराएं हैं।

सरकार किसी किस्म के समझौते के मूड में नहीं

लोकसभा चुनाव, 2024 के नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कम से कम दो बार कहा कि सरकार बहुमत से बनती है लेकिन सर्वमत से चलती है। उन्होंने संकेत दिया था कि उनकी तीसरी सरकार संसद के अंदर और बाहर भी आम सहमति के साथ काम करेगी। लेकिन पहले सत्र से ही ऐसा होता नहीं दिख रहा है। ऐसा लग रहा है कि सर्वमत की सिर्फ बातें हैं और असल में सरकार बहुमत से ही चलेगी। शुरुआती लक्षण सरकार के उसी अंदाज में काम करने के हैं, जिस अंदाज में पहले 10 साल नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के तौर पर काम किया है। आगे होने वाले राज्यों के चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन खराब हो और तब पार्टी के अंदर और बाहर से दबाव बढ़े तो अलग बात है। लेकिन उससे पहले सरकार किसी किस्म के समझौते के मूड में नहीं है। सरकार का कामकाज पुराने अंदाज में ही होता लगता है।

ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी तरह से सरकार के या खुद के कमजोर होने का मैसेज नहीं बनने देना चाहते हैं। वे यह संदेश देना चाहते हैं कि वे पहले की तरह निर्णय करने वाले मजबूत नेता हैं और भले भाजपा की सीटें कुछ कम हो गई हैं लेकिन इससे वे कमजोर नहीं हुए हैं। उनको पता है कि अगर सरकार के या उनको कमजोर होने की धारणा बनी तो सहयोगी पार्टियों का दबाव बढ़ेगा, जिससे उनकी पसंद के फैसले करने होंगे। पार्टी के अंदर से आवाजें उठनी शुरू होंगी, जिससे निपटना आसान नहीं होगा और अगर एक बार विपक्ष के मुंह में खून लग गया तो हर मसले पर वह सरकार को झुकाने या आम सहमति बनाने के लिए बाध्य करेगी। तभी शबिल्ली पहली रात को मारी जाती हैय वाली कहावत के हिसाब से नरेंद्र मोदी ने तमाम विरोध और दबावों को पहले सत्र में ही दरकिनार कर दिया। उन्होंने बता दिया कि सरकार पुराने ढर्रे पर ही चलती रही है। हालांकि राज्यों के चुनाव नतीजों से इस स्थिति में बदलाव आ सकती है।

बहरहाल, स्पीकर के तौर पर ओम बिरला की वापसी इस बात का संकेत है कि संसद वैसे ही चलेगी, जैसे पहले चलती रही है। विपक्षी पार्टियों ने स्पीकर के पद पर बहुत राजनीति की। उन्होंने भाजपा की सहयोगी पार्टियों को उकसाने का भी काम किया। लेकिन चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी और नीतीश कुमार की जनता दल यू ने विपक्ष की ओर से फेंका गया चारा नहीं निगला। वे चुपचाप पड़े रहे और सरकार का समर्थन किया। विपक्ष ने यह दांव भी चला कि सरकार पंरपरा के मुताबिक डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को दे तभी स्पीकर पद पर आम सहमति बनेगी। यह बात खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने टेलीफोन पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से कही। लेकिन सरकार ने इसकी अनदेखी की और ओम बिरला को स्पीकर का उम्मीदवार बनाया। विपक्ष ने प्रतीकात्मक रूप से कोडिकुन्निल सुरेश को उम्मीदवार बनाया लेकिन चुनाव के दौरान मत विभाजन की मांग नहीं की। पिछली लोकसभा में सांसदों को निलंबित करने का रिकॉर्ड बनाने वाले ओम बिरला से स्पीकर बन गए हैं और डिप्टी स्पीकर का पद पहले की तरह खाली रखा गया है। विपक्ष को डिप्टी स्पीकर का पद मिलने की संभावना नहीं दिख रही है।

इसी तरह दूसरा फैसला दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी है। संसद के सत्र के दौरान हुई गिरफ्तारी इस बात का संकेत है कि विपक्ष के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई में कोई ढील नहीं दी जाने वाली है। गौरतलब है कि केजरीवाल को दिल्ली की शराब नीति से जुड़े घोटाले में ईडी ने मार्च में गिरफ्तार किया था। उसके बाद 21 दिन की अंतरिम जमानत अवधि को छोड़ कर बाकी समय वे जेल में रहे। अप्रैल के पहले हफ्ते में ईडी की रिमांड खत्म होने के बाद ही कहा जा रहा था कि सीबीआई उनको हिरासत में लेगी। लेकिन सीबीआई ने उनको हिरासत में नहीं लिया।

जब निचली अदालत से उनको जमानत मिली और ऐसा लगा रहा था कि सुप्रीम कोर्ट से भी उनको जमानत मिल सकती है तब सीबीआई ने उनको गिरफ्तार करके रिमांड पर ले लिया।

छह महीने पहले जिन्हें कौन अखिलेश वखिलेश कहा गया था, उन्होंने मैन आफ द मैच बनकर दिखा दिया

जिन अखिलेश पर समाजवादी पार्टी को मनमाने ढंग से चलाने का आरोप लगता था, उन अखिलेश ने सबको साथ लेकर चलना शुरू किया तो सफलता कदम चूमने लगी। यही नहीं, गठबंधन धर्म का पालन करते हुए अखिलेश यादव ने उदार दिल दिखाया और कांग्रेस को उसकी हैसियत से ज्यादा सीटें दीं।समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन आज उनकी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता धूमधाम से मना रहे हैं। विभिन्न दलों के नेता भी अखिलेश यादव को जन्मदिन पर बधाइयां दे रहे हैं। अखिलेश यादव के लिए इस बार का जन्मदिन बेहद खास है इसलिए वह बहुत खुश नजर आ रहे हैं। दरअसल इस बार के लोकसभा चुनावों में मैन ऑफ द मैच बनकर उभरे अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी को लोकसभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनवा कर अपनी नेतृत्व क्षमता साबित कर दी है। संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद समाजवादी पार्टी पहली बार पूरी तरह अखिलेश यादव की नीतियों और नेतृत्व में चुनावी मैदान में उतरी थी और उसने बड़ी कामयाबी हासिल की। लोकसभा चुनावों में अखिलेश यादव अपने परिवार के सदस्यों को तो चुनाव जितवाने में सफल रहे ही साथ ही पार्टी को एकजुट कर उन्होंने जिस तरह से हर वर्ग का समर्थन हासिल किया वह अभूतपूर्व था।देखा जाये तो कुछ समय पहले तक चाचा शिवपाल सिंह यादव जैसे अपने लोगों के अलावा बाहरी लोग भी अखिलेश यादव को महत्व नहीं दे रहे थे। याद कीजिये मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के दौरान जब अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के लिए कांग्रेस से कुछ सीटें मांगी थीं तो कमलनाथ ने कहा था– कौन अखिलेश वखिलेश। लेकिन जब मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार हुई तो उसके सुर एकदम से बदल गये और राहुल गांधी सपा मुखिया अखिलेश यादव के साथ नजर आने लगे। यही नहीं, पिछले साल मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव से पहले अखिलेश ने जिस तरह चाचा शिवपाल सिंह यादव को साथ लेकर पूरे परिवार को एकजुट किया उससे भी उनकी कामयाबी की राह आसान हुई।जिन अखिलेश यादव पर समाजवादी पार्टी को मनमाने ढंग से चलाने का आरोप लगता था, उन अखिलेश यादव ने सबको साथ लेकर चलना शुरू किया तो सफलता कदम चूमने लगी। यही नहीं, गठबंधन धर्म का पालन करते हुए अखिलेश यादव ने उदार दिल दिखाया और कांग्रेस को उसकी हैसियत से ज्यादा सीटें दीं। साथ ही राष्ट्रीय लोकदल के लिए भी सात सीटें छोड़ दीं। लोकसभा चुनावों से ठीक पहले जब जयंत चौधरी एनडीए के साथ चले गये तब भी अखिलेश यादव निराश नहीं हुए क्योंकि उन्होंने जो सोशल इंजीनियरिंग की थी उसकी सफलता पर उन्हें पूरा भरोसा था। जब चुनाव परिणाम आये तो उन लोगों के चेहरों की हवाइयां उड़ गयीं जो अखिलेश यादव के पीडीए का मजाक उड़ाते थे।लोकसभा चुनाव परिणामों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी को सिर्फ इसलिए वोट नहीं मिले हैं क्योंकि जनता मोदी और योगी सरकार से नाराज थी। अखिलेश यादव को वोट इसलिए भी मिले हैं क्योंकि जनता उनकी नीतियों से प्रभावित थी। अखिलेश यादव को वोट इसलिए भी मिले हैं क्योंकि मुस्लिमों का पूरा समर्थन उनके साथ आ गया है। भले आजम खान या कोई और मुस्लिम नेता अखिलेश यादव से नाराज दिखा लेकिन आम मुस्लिम अखिलेश यादव के समर्थन में खाड़ा नजर आया। अखिलेश यादव को वोट इसलिए भी मिले हैं क्योंकि दलित, ओबीसी या पिछड़े वर्ग का ही नहीं बल्कि सवर्णों का भी अच्छा खासा समर्थन समाजवादी पार्टी को मिला है। लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश का जो परिणाम आया है वह दर्शा रहा है कि जनता ने सिर्फ भाजपा को सबक नहीं सिखाया है बल्कि अखिलेश यादव को सिर आंखों पर भी बैठाया है।

जो लोग अखिलेश यादव पर आरोप लगा रहे थे कि वह सनातन धर्म का अपमान करने वालों को बढ़ावा दे रहे हैं उन लोगों को अखिलेश यादव ने अयोध्या की संसदीय सीट जीतकर दिखा दिया। जब राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने का निमंत्रण अखिलेश यादव ने ठुकराया था तो भाजपा का कहना था कि जो राम का नहीं वो किसी काम का नहीं, लेकिन अयोध्या–फैजाबाद की जनता ने अखिलेश यादव की पार्टी को जिताकर भाजपा के आरोपों को खारिज कर दिया और संदेश दिया कि जो काम का है उसे ही जनता पसंद करती है। यही नहीं, जब लोकसभा चुनावों के बीच में ही अखिलेश यादव बार–बार कई संसदीय सीटों पर अपने प्रत्याशी बदल रहे थे तो उन्हें नौसिखिया तक करार दिया जा रहा था। लेकिन चुनाव परिणाम दर्शा रहे हैं कि अखिलेश के वह सभी फैसले सही सिद्ध हुए। देखा जाये तो पूरे चुनावों के दौरान सपा मुखिया ने जिस तरह अपने गठबंधन के बीच सामंजस्य बनाये रखा, चुनाव के हर चरण के लिए नई नीति अपनाई, अपनी पार्टी को एकजुट रखा, कार्यकर्ताओं को निचले स्तर तक सक्रिय किया, सोशल मीडिया के जरिये अपने चुनाव अभियान को आगे बढ़ाया, जनता के बीच अपने घोषणापत्र की बातों को पहुँचाया और भाजपा को त्वरित तथा तगड़ा जवाब दिया उससे अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की राजनीति के नये स्टार के रूप में उभरे हैं। देखा जाये तो जब अखिलेश यादव पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे तब उसमें उनका अपना कोई योगदान नहीं था क्योंकि अपने पिता की बदौलत उन्हें वह कुर्सी मिली थी। अपने बलबूते अखिलेश यादव को सबसे बड़ी राजनीतिक सफलता इस बार के लोकसभा चुनावों में मिली है। इस बार समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 सीटें जीत कर भाजपा का मजा खराब कर दिया है। यही नहीं, उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का जो शानदार प्रदर्शन रहा है वह भी समाजवादी पार्टी से गठबंधन के बलबूते ही संभव हो पाया है। इसके अलावा पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जहां सपा को कमजोर समझा जाता था वहां भी पार्टी का जोरदार प्रदर्शन दर्शा रहा है कि पूरे उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव का सिक्का चल गया है। देखना होगा कि आगामी विधानसभा उपचुनावों में सपा का प्रदर्शन कैसा रहता है?

खतरनाक लोग एक–दूसरे के करीब

श्रुति व्यास

दुनिया बदल रही है, पलट रही है और युद्धों में उलझ रही है। वही वह प्रजातंत्र और उसकी भाषा से दूर खिसक रही है। नतीजतन श्राईटश (दक्षिणपंथ) को श्राईटश (सही) साबित करने पर आमादा है। पुराने दोस्त, दोस्ती का लबादा ओढ़े जहां दुश्मनी निभा रहे हैं तो पुराने दुश्मनों में गलबहियां हो रही हैं। दुनिया के लिए, हम सबके लिए, खतरनाक लोग एक–दूसरे के करीब आ रहे हैं। उनकी सोच और इरादे एक से हैं इसलिए वे दोस्त बन नए गठबंधन बना रहे हैं।

बुधवार की सुबह आप सब अपने मोबाइल की स्क्रीन पर देख सकेंगे कि एक से डीलडौल वाले उन दो उम्रदराज लोगों को, जो सोच और मिजाज में एक से हैं। तब उनके चेहरे और उनकी आँखें चमक रही होंगी। वे या तो एक दूसरे से गर्मजोशी से हाथ मिला रहे होंगे या गले मिल रहे होंगे। उनके नख से शिख तक दुष्टता टपक रही होगी। पश्चिम और सारी दुनिया के लिए उनका एक ही सन्देश होगा, ष्हम से बच कर रहोष।

कल व्लादिमीर पुतिन अपने अजीज दोस्त, अपने प्यारे भाई की धरती प्योंगयांग पर होंगे। पुतिन पिछले 24 सालों में पहली बार उत्तर कोरिया जा रहे हैं। जाहिर है कि रूसी तानाशाह के शानदार स्वागत करने में उत्तर कोरिया का तानाशाह कोई कोरकसर बाकी नहीं रखेंगा। किम योंग यह नहीं भूले होंगे कि रूस की उनकी दो पिछले यात्राओं के दौरान पुतिन ने उनके लिए लाल कालीन बिछाया था।

दोनों नेताओं को एक–दूसरे से जोडने वाला एक तार है। और यह तार उन्हें एक दूसरे का पूरक भी बनाता है। दोनों खलनायक हैं और इसलिए दोनों में अच्छी पटेगी। दूसरे, दोनों दुनिया से अलग–थलग है। इसलिए अपने अकेलेपन को दूर करने में एक–दूसरे के मददगार बन सकते हैं। दुनिया दोनों पर तरह–तरह के प्रतिबन्ध लगा कर परेशान कर रही है। ऐसे में भला वे मिलकर पलटवार क्यों न करें?

उत्तर कोरिया में रूस के राजदूत एलेग्जेंडर मात्सगोर ने शायद भविष्य को ध्यान में रख कर ही कहा है कि यह साल दोनों देशों के बीच भागीदारी के नए आयाम स्थापित करेगा।

पुतिन की यात्रा, नए आयाम कायम करने की दिशा में पहला कदम है। क्रेमलिन द्वारा जारी एक नोट के अनुसार, दोनों नेता

एक दूसरे के साथ अनौपचारिक बातचीत में काफी समय बिताएंगे। वे दोनों देशों पर पश्चिम द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से निपटने के तरीकों और सुरक्षा व अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करेंगे।

दोस्ती के सारे नाटक के बावजूद, सच यह है कि दोनों देश एक–दूसरे को फूटी आँखों नहीं सुहाते। मगर इन दोनों के बीच बढ़ता भाईचारा दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है और खतरे की घंटी भी।

महत्वपूर्ण इसलिए क्योंकि जहाँ रूस से लड़ाई जारी रखने के लिए यूक्रेन को हथियार आदि सप्लाई करने के मुद्दे पर पश्चिम के खेमे में विवाद और मतभेद हैं, वहीं उत्तर कोरिया, रूस के भाई की भूमिका बहुत अच्छे से निभा रहा है।

यह दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण मगर सच है कि किम जोंग अपने बड़े भैया पुतिन की हर तरह से मदद कर रहे हैं ताकि वे युद्ध लड़ते रहें और युद्ध का इलाका बढाते रहें। उत्तर कोरिया ने सोवियत संघ के दौर की तोपों और टैंकों में इस्तेमाल होने वाले दसियों लाख गोला–बारूद रूस को उपलब्ध करवाए हैं। साथ ही उसने रूस को बैलिस्टिक मिसाइलें और युद्ध में काम आने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी निर्यात किये हैं। इससे यूक्रेन में रूस के सैन्य अभियान को मदद मिली है। उत्तर कोरिया की केन्द्रीय न्यूज एजेंसी के लिए लिखे गए एक लेख में पुतिन ने किम और उत्तर कोरिया की तारीफों के पुल बांधे हैं। उन्होंने कहा है कि उत्तर कोरिया, यूक्रेन में युद्ध में मजबूती से रूस के साथ खड़ा है।

बदले में रूस ने भी बड़े भैया के कर्त्तव्य निभाए। उसने उत्तर कोरिया को सहायता भी दी और समर्थन भी। अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों और उसके बाद महामारी के दौर में पुतिन ने किम का पूरी तरह साथ दिया। रूस के साथ व्यापार के चलते उत्तर कोरिया की अर्थव्यवस्था में स्थिरता आई। पिछले कुछ महीनों में कृषि, संस्कृति, सुरक्षा और तकनीकी जैसे मामलों के विशेषज्ञों के अनेक प्रतिनिधिमंडलों का दोनों देशों में आना–जाना हुआ है। ऐसा बताया जाता है कि उत्तर कोरिया में पर्यटन भी खूब फलफूल रहा है क्योंकि व्लादिवोस्तोक में ट्रेवल एजेंसियां पूरी दुनिया से कटे उत्तर कोरिया को गर्मी की छुट्टियाँ मनाने के लिए आदर्श स्थल के रूप में प्रचारित कर रही हैं। इस सबसे किम योंग की उनके देश में लोकप्रियता बढ़ी है।

मगर दोनों देशों की दोस्ती केवल एक–दूसरे की मदद करने तक सीमित नहीं है। उत्तर कोरिया वैश्विक स्तर पर रूस बनाम पश्चिम टकराव में रूस का खास प्यादा है। वह अमेरिका के लिए एशिया में उसकी रणनीति को लागू करना कठिन बनाता आ रहा है तो रूस बहुराष्ट्रीय संगठनों में उत्तर कोरिया की मदद करता है। अभी हाल में रूस ने संयुक्त राष्ट्रसंघ में एक प्रस्ताव को वीटो किया था जिसमें उत्तर कोरिया पर लगाए गए प्रतिबंधों की निगरानी करने वाले श्पैनल ऑफ एक्सपर्ट्सश के कार्यकाल को बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया था। उत्तर कोरिया के साथ नजदीकी बढाकर, रूस यह सुनिश्चित करना चाहता है कि दक्षिण कोरिया, जो हथियारों का बड़ा निर्माता है, यूक्रेन को सीधे हथियार न सप्लाई कर सके। पुतिन और किम की भागीदारी भले ही लेनदेन पर आधारित लगे मगर रूस और उत्तर कोरिया के लिए रणनीतिक कारणों से भी एक–दूसरे के साथ मिलकर काम करना जरूरी है।

कुल मिलाकर, दोनों देश पश्चिम के नेतृत्व वाले गुट, जो नियम–कानूनों पर आधारित उदारवादी वैश्विक व्यवस्था के पक्षधर है, के बरक्स एक वैकल्पिक राजनैतिक, आर्थिक और साझा सुरक्षा पर आधारित गुट खड़ा करने का प्रयास हैं। इसमें चीन और ईरान भी शामिल हैं। भू–रणनीतिक दृष्टि से उत्तर कोरिया के लिए यह अच्छा ही है कि अमेरिका यूक्रेन में फंसा रहे और इस बीच वह अपने मिसाइल और परमाणु कार्यक्रमों को आगे बढ़ा सके। मास्को चाहता है कि कोरियाई प्रायद्वीप अमरीका के लिए चिंता का सबब बना रहे ताकि अमेरिका केवल यूक्रेन युद्ध पर फोकस न कर सके।

दोनों देशों की बीच नजदीकियां निश्चित तौर पर बढ़ रही हैं। मगर मुद्दे की बात यह है कि क्या पुतिन अपने मित्र की हथियार निर्माण परियोजना और विशेषकर उनके परमाणु कार्यक्रम का पूरी तरह समर्थन करेंगे?

आज का राशिफल

मेष राशि आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज सरकारी संस्थान से जुड़े लोगों का दिन अच्छा रहेगा, जबकि प्राइवेट काम करने वाले लोगों का दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको ऑफिस में एक्सट्रा काम करना पड़ सकता है। स्टूडेंट्स के लिए दिन ठीक–ठाक रहेगा, आप कुछ नया सीखेंगे। करीबी लोगों की राय मानना आपके लिए फायदेमंद होगा।

वृष राशि आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहेगा। जीवनसाथी के साथ आप किसी ट्रिप की प्लानिंग कर सकते हैं। आप उन्हें कोई गिफ्ट दे सकते हैं, आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। आप अच्छे काम में अपना सहयोग दे सकते हैं, इससे समाज में आपका नाम होगा।

मिथुन राशि आज का दिन आपके लिए बढ़िया है। आज आप किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने के बारे में सोच सकते हैं। दोस्त की मदद से आपको किसी अच्छी कम्पनी में नौकरी मिलने के योग हैं। आप लवमेट के साथ मूवी देखने का प्लान करेंगे।

कर्क राशिरू आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आप पिता का कोई जरूरी काम पूरा करने में सफल होंगे। पिता को आप पर गर्व होगा। छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा.. आप कम्प्यूटर कोर्स सीखने के बारे में सोच–विचार कर सकते हैं। आज आपको बड़े भाई–बहनों से पूरा सहयोग मिलेगा।

सिंह राशि आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपके पास नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं, घरवालों के सहयोग से आप हर काम को अच्छे से संभाल लेंगे। आप घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम की तैयारी भी करवा सकते हैं। आस–पड़ोस के लोग आपको देखकर खुश होंगे।

कन्या राशि आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप किसी धार्मिक कार्य में रुचि लेंगे। ऑफिस का कोई व्यक्ति आपके घर पर आ सकता है, उनके साथ आप कुछ बातें शेयर कर सकते हैं। बच्चे किसी काम में आपकी मदद ले सकते हैं, आप बच्चों का पूरा सहयोग करेंगे। बूटिक का काम कर रही महिलाओं के लिए दिन अच्छा रहेगा। किसी कस्टमर से आपको अच्छा धन लाभ होगा।

तुला राशि आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको अपनी कार्य कुशलता को बढ़ाने की जरूरत है। आज आप करियर को लेकर कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। नये कोर्स में एडमिशन के लिए आपको ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ेगी।

वृश्चिक राशि आज का दिन आपके लिए ठीक रहेगा। आज बच्चों के किसी काम में आपका ज्यादा खर्च हो सकता है। काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है। आप पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ेंगे, आपको काम में सफलता मिलेगी। किसी की कही–सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए। सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए। दांपत्य जीवन में प्यार बना रहेगा।

धनु राशि आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। अगर आप किसी से अपने दिल की बात कहना चाहते हैं, तो आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आप अपने काम पूरी एकाग्रता से करेंगे। जो लोग शादी–शुदा हैं, वो आज कहीं घूमने जा सकते हैं, आपका समय बहुत अच्छा बीतेगा।

मकर राशि आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहेगा। आज के दिन आपको काम में बड़ी ही सतर्कता बरतनी होगी। इस राशि की जो महिलाएं बिजनेस फील्ड से जुड़ी हैं उनके लिए आज ज्यादा लाभ के योग बन रहे हैं। फल से जुड़े बिजनेस कर रहे लोगों का काम अच्छा चलेगा, आय में वृद्धि होगी।

कुंभ राशि आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज जीवनासाथी से बिजनेस की कोई बात शेयर करने से काम को लेकर आपको कोई अच्छी सलाह मिलेगी। बच्चे आज किसी स्पोर्ट्स एक्टिविटी में भाग ले सकते हैं।

मीन राशि आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आप कोई नया बिजनेस शुरू करने के बारे में सोच सकते हैं। आपको घर के बड़ों से पूरा सपोर्ट मिलेगा, आर्थिक रूप से पिता आपकी मदद करेंगे।परिवार में लोगों के बीच अच्छा ताल–मेल बना रहेगा।

शाम को आप परिवार के साथ किसी फंक्शन में जा सकते हैं। आज जीवनसाथी की छोटी–छोटी गलतियों को माफ कर देना आपके रिश्ते को बेहतर बनाएगा। सेहत के लिहाज से आप फिट रहेंगे। ऑफिस में अपना काम अच्छे से पूरा करेंगे।

पाकिस्तान–अमेरिका ने मिलकर भारत के साथ खेला गंदा खेल! कर दिया होश उड़ाने वाला दावा

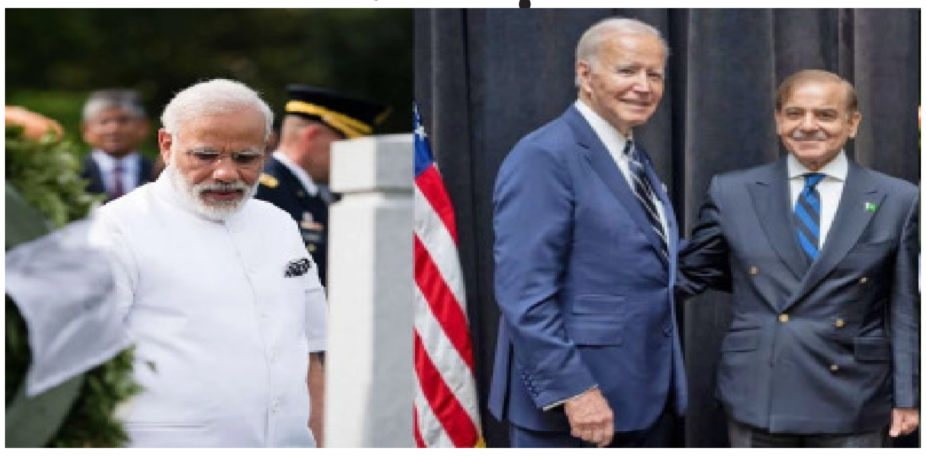

पाकिस्तान ने सबसे पहले बयान दिया कि तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान और बलूच लिबरेशन आर्मी जैसे संगठन भारत की खुफिया एजेंसी रॉ से पैसा ले रहे हैं। ये दोनों संगठन भारत से मदद ले रहे हैं। पाकिस्तान ने जैसे ही ये बेबुनियाद आरोप लगाया उसके तुरंत बाद अमेरिका ने सोशल मीडिया पर एक बयान वायरल करवाना शुरू कर दिया।पाकिस्तान ने भारत को लेकर ऐसा दावा किया है जिसने कई देशों में बवाल खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान के इस झूठे दावे को दुनियाभर में फैलाने के लिए अमेरिका ने भी पूरी ताकत लगा दी है। यानी ये साफ हो चुका है कि अमेरिका और पाकिस्तान दोनों मिले हुए हैं। तभी तो एक ही समय पर पाकिस्तान और अमेरिका की तरफ से भारत की खुफिया एजेंसी पर एक जैसे झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। पाकिस्तान ने सबसे पहले बयान दिया कि तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान और बलूच लिबरेशन आर्मी जैसे संगठन भारत की खुफिया एजेंसी रॉ से पैसा ले रहे हैं। ये दोनों संगठन भारत से मदद ले रहे हैं। पाकिस्तान ने जैसे ही ये बेबुनियाद आरोप लगाया उसके तुरंत बाद अमेरिका ने सोशल मीडिया पर एक बयान वायरल करवाना शुरू कर दिया। बयान में अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए की एक अधिकारी बोल रही है कि भारत तालिबान की मदद से पाकिस्तान में बैठे आतंकियों को मरवा रहा है। यानी पाकिस्तान और अमेरिका दोनों आरोप लगा रहे हैं कि भारत दूसरे देशों में आतंकियों की हत्याएं करवा रहा है। कई एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये बात तो सच है कि पिछले एक साल में कनाडा, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, नेपाल और ब्रिटेन में कई आतंकी मारे गए हैं। इनमें से ज्यादातर वो आतंकी मारे गए हैं जो कभी न कभी भारत पर हमला करते रहे हैं। लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि इन हत्याओं का आरोप भारत पर लगाना बिल्कुल गलत है। भारत ने सभी आरोपों से इनकार किया है। लेकिन प्रत्येक मामले में उसकी प्रतिक्रियाएँ गुणात्मक रूप से भिन्न रही हैं और उन्हें व्यापक नीतिगत स्थिति और वर्तमान रणनीतिक अनिवार्यताओं को प्रतिबिंबित करने के रूप में देखा जा सकता है। कनाडा के मामले में सख्त रुख अपनाते हुए

ट्रूडो के आरोपों को बेतुका और राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज कर दिया है।

इसके साथ ही कनाडा की सरकार पर आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया है।

गाजा में इजरायली टैंकों के आगे बढ़ने से 6 फिलीस्तीनी की मौत, कई घर तबाह

इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपना रुख दोहराया कि इस्लामी आतंकवादी समूह हमास के खिलाफ युद्ध में जीत का कोई विकल्प नहीं है।इजरायली सेना रविवार को उत्तरी गाजा के शेजाइया पड़ोस में आगे बढ़ी और दक्षिण में पश्चिमी और मध्य राफा में भी गहराई तक घुस गई, जिससे कम से कम छह फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और कई घर नष्ट हो गए। निवासियों ने कहा कि इजरायली टैंक, जो चार दिन पहले शेजाइया में वापस चले गए, ने कई घरों पर गोले दागे, जिससे परिवार अंदर फंस गए और निकलने में असमर्थ हो गए। साप्ताहिक कैबिनेट बैठक में बोलते हुए, इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपना रुख दोहराया कि इस्लामी आतंकवादी समूह हमास के खिलाफ युद्ध में जीत का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि हम तब तक लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं जब तक हम अपने सभी उद्देश्यों को प्राप्त नहीं कर लेतेरू हमास को खत्म करना, हमारे सभी बंधकों को वापस करना, यह सुनिश्चित करना कि गाजा फिर कभी इजरायल के लिए खतरा न बने और हमारे निवासियों को दक्षिण और उत्तर में उनके घरों में सुरक्षित रूप से वापस लौटाना। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, जबकि आक्रामक गाजा पर केंद्रित था, इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में तुल्कर्म शहर के पास इजरायली हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। समूह ने कहा कि मृत व्यक्ति आतंकवादी समूह इस्लामिक जिहाद का सदस्य था। इजरायली सेना ने कोई टिप्पणी जारी नहीं की।गाजा के बारे में नेतन्याहू की टिप्पणियों के कुछ घंटों बाद, हमास की सशस्त्र शाखा ने अवज्ञा दिखाते हुए, हथियार बनाते हुए दिखाने वाला एक वीडियो जारी किया। इजरायली सेना ने कहा कि शेजाइया में सक्रिय बलों ने पिछले दिनों कई फिलिस्तीनी बंदूकधारियों को मार डाला था और संयुक्त राष्ट्र स्कूल के अंदर सैन्य बुनियादी ढांचे के साथ–साथ दर्जनों हथियार और ष्मूल्यवान खुफिया दस्तावेजष भी पाए थे।

जपान ने अपने नए एच 3 राकेट से पृथ्वी निगरानी उपग्रह प्रक्षेपित किया

उन्नत भूमि निरीक्षण उपग्रह या एएलओएस–4 को आपदा प्रतिक्रिया तथा मानचित्रण के लिए पृथ्वी की निगरानी करने तथा डेटा एकत्रित करने का काम सौंपा गया है। यह सैन्य गतिविधि जैसे कि मिसाइल प्रक्षेपण पर नजर रखने में भी सक्षम है। जापान ने सोमवार को एक नया महत्वाकांक्षी एच3 रॉकेट प्रक्षेपित करने के साथ ही आपदा प्रतिक्रिया और सुरक्षा के लिए एक उन्नत पृथ्वी निगरानी उपग्रह अंतरिक्ष में तैनात कर दिया। 'जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी' (जाक्सा) ने बताया कि एच3 नंबर 3 रॉकेट ने दक्षिण पश्चिमी जापान के एक द्वीप पर तानेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी और करीब 16 मिनट बाद तय योजना के अनुसार अपना 'पेलोड' (उपग्रह) छोड़ा।उन्नत भूमि निरीक्षण उपग्रह या एएलओएस–4 को आपदा प्रतिक्रिया तथा मानचित्रण के लिए पृथ्वी की निगरानी करने तथा डेटा एकत्रित करने का काम सौंपा गया है। यह सैन्य गतिविधि जैसे कि मिसाइल प्रक्षेपण पर नजर रखने में भी सक्षम है।पहले यह प्रक्षेपण रविवार को किया जाना था लेकिन खराब मौसम के कारण इसमें देरी हुई। एएलओएस–4 मौजूदा एएलओएस–2 की जगह लेगा और यह अधिक व्यापक क्षेत्र की निगरानी कर सकता है।जापान कुछ समय के लिए दोनों उपग्रह का संचालन करेगा। जापान एक स्थिर, व्यावसायिक रूप से प्रतिस्पर्धी अंतरिक्ष परिवहन क्षमता को अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मानता है।

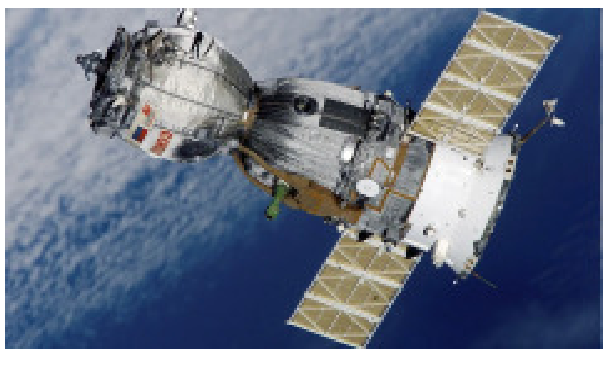

फ्रांस में बड़े पैमाने पर मतदान, धुर–दक्षिणपंथियों के हाथों में जा सकती है सत्ता

चुनाव परिणाम से यूरोपीय वित्तीय बाजारों, यूक्रेन के लिए पश्चिमी देशों के समर्थन और वैश्विक सैन्य बल एवं परमाणु शस्त्रागार के प्रबंधन के फ्रांस के तौर–तरीके पर काफी प्रभाव पड़ने की संभावना है।फ्रांस में संसदीय चुनाव के पहले दौर के लिए रविवार को बड़े पैमाने पर मतदान हुआ और यह अनुमान जताया जा रहा है कि नाजी युग के बाद सत्ता की बागडोर पहली बार राष्ट्रवादी एवं धुर–दक्षिणपंथी ताकतों के हाथों में जा सकती है।दो चरणों में हो रहा संसदीय चुनाव सात जुलाई को संपन्न होगा। चुनाव परिणाम से यूरोपीय वित्तीय बाजारों, यूक्रेन के लिए पश्चिमी देशों के समर्थन और वैश्विक सैन्य बल एवं परमाणु शस्त्रागार के प्रबंधन के फ्रांस के तौर–तरीके पर काफी प्रभाव पड़ने की संभावना है।अनेक फ्रांसीसी मतदाता महंगाई और आर्थिक चिंताओं से परेशान हैं। वे राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व से भी निराश हैं। मरीन ले पेन की आव्रजन विरोधी 'नेशनल रैली' पार्टी ने इस असंतोष को चुनाव में भुनाया है और उसे विशेष रूप से 'टिकटॉक' जैसे ऑनलाइन मंचों के जरिए हवा दी है। चुनाव पूर्व सभी जनमत सर्वेक्षणों में 'नेशनल रैली' की जीत का अनुमान जताया गया है।नया वामपंथी गठबंधन 'न्यू पॉपुलर फ्रंट' भी व्यापार समर्थक मैक्रों और उनके मध्यमार्गी गठबंधन 'टुगेदर फॉर द रिपब्लिक' के लिए चुनौती पेश कर रहा है। फ्रांस में संसदीय चुनाव के लिए रविवार सुबह आठ बजे मतदान शुरू हुआ और चुनाव परिणाम के शुरुआती रुझान रात आठ बजे आने की उम्मीद है।इस साल जून की शुरुआत में यूरोपीय संसद के चुनाव में 'नेशनल रैली' से मिली करारी शिकस्त के बाद मैक्रों ने फ्रांस में मध्यावधि चुनाव की घोषणा की थी। 'नेशनल रैली' का नस्लवाद और यहूदी–विरोधी भावना से पुराना संबंध है और यह फ्रांस के मुस्लिम समुदाय की विरोधी मानी जाती है।चुनाव परिणाम संबंधी पूर्वानुमान के अनुसार, संसदीय चुनाव में 'नेशनल रैली' की जीत की संभावना है। देश में 4.95 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं जो फ्रांस की संसद के प्रभावशाली निचले सदन नेशनल असेंबली के 577 सदस्यों को चुनेंगे। मतदान बंद होने से तीन घंटे पहले 59 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह 2022 में हुए पहले दौर के मतदान से 20 प्रतिशत अधिक है।

दक्षिण कोरिया–जापान ड्रिल के बाद किम जोंग का बड़ा रिएक्शन, फिर किया बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण

पहली मिसाइल ने लगभग 600 किलोमीटर (370 मील) की दूरी तय की, जबकि दूसरी ने 120 किलोमीटर (75 मील) की दूरी तय की। मिसाइलों के गंतव्य का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन आमतौर पर उत्तर कोरिया अपने पूर्वी जल क्षेत्र की ओर मिसाइलों का परीक्षण करता है।उत्तर कोरिया ने सोमवार को दो बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। यह संयुक्त राज्य अमेरिका–दक्षिण कोरिया–जापान सैन्य अभ्यास के लिए उत्तर कोरिया की आक्रामक और जबरदस्त प्रतिक्रियाओं की हालिया घोषणा का अनुसरण करता है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि मिसाइलों को दक्षिणपूर्वी उत्तर कोरिया के जांगयोन शहर से लॉन्च किया गया था, लॉन्च के बीच 10 मिनट का अंतराल था। पहली मिसाइल ने लगभग 600 किलोमीटर (370 मील) की दूरी तय की, जबकि दूसरी ने 120 किलोमीटर (75 मील) की दूरी तय की। मिसाइलों के गंतव्य का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन आमतौर पर उत्तर कोरिया अपने पूर्वी जल क्षेत्र की ओर मिसाइलों का परीक्षण करता है।हालाँकि, दूसरी मिसाइल इन जलक्षेत्रों तक पहुँचने में विफल रही, जिससे दक्षिण कोरियाई सूत्रों ने सुझाव दिया कि यह उत्तर कोरिया में अंतर्देशीय दुर्घटनाग्रस्त हो गई होगी। उत्तर कोरिया में जमीनी स्तर पर नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अपने सैन्य गठबंधन के समन्वय में, उत्तर कोरिया के किसी भी

उकसावे का जवाब देने की अपनी तत्परता दोहराई।प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान द्वारा क्षेत्र में अपने नए मल्टीडोमेन त्रिपक्षीय अभ्यास समाप्त करने के दो दिन बाद हुआ। हाल के वर्षों में, तीनों देश उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु खतरों और क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता से बेहतर ढंग से निपटने के लिए अपनी त्रिपक्षीय सुरक्षा साझेदारी का विस्तार कर रहे हैं। ष्फ्रीडम एजष ड्रिल का उद्देश्य संयुक्त बैलिस्टिक–मिसाइल रक्षा, पनडुब्बी रोधी युद्ध, निगरानी औ अन्य कौशल और क्षमताओं में सु ार के लिए एक साथ वायु औ नौसेना अभ्यास के साथ पिछल अभ्यासों की परिष्कार को बढ़ाना था तीन दिवसीय अभ्यास में एक अमेरिकि विमानवाहक पोत के साथ–साथ तीन देशों के विध्वंसक, लड़ाकू जेट औ हेलीकॉप्टर शामिल थे।

पहले दौर के चुनावों में मोदी के दोस्त मैक्रों को लगा झटका, धुर दक्षिणपंथी पार्टी की धमाकेदार जीत

वोट में आरएन का हिस्सा वामपंथी और मध्यमार्गी प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे था, जिसमें मैक्रॉन का टुगेदर गठबंधन भी शामिल था, जिसका ब्लॉक 20.5ः –23ः जीतता हुआ देखा गया था।एग्जिट पोल से पता चला है कि मरीन ले पेन की दक्षिणपंथी नेशनल रैली (आरएन) पार्टी ने फ्रांस के संसदीय चुनाव के पहले दौर में ऐतिहासिक बढ़त हासिल कर ली है। लेकिन अंतिम परिणाम अगले सप्ताह के मतदान से पहले के दिनों पर निर्भर करेगा। इप्सोस, आईफॉप, ओपिनियनवे और एलाबे के एग्जिट पोल से पता चला कि आरएन को लगभग 34ः वोट मिलते हुए देखा गया, यह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के लिए एक बड़ा झटका है जिन्होंने यूरोपीय संसद में आरएन द्वारा मिली हार के बाद आकस्मिक चुनाव का ऐलान कर दिया। कुल वोट में आरएन का हिस्सा वोट में आरएन का हिस्सा वामपंथी और मध्यमार्गी प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे था, जिसमें मैक्रॉन का टुगेदर गठबंधन भी शामिल था, जिसका ब्लॉक 20.5ः –23ः जीतता हुआ देखा गया था। एग्जिट पोल से पता चला कि न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) को लगभग 29ः वोट मिलने का अनुमान लगाया गया था। एग्जिट पोल चुनाव से पहले जनमत सर्वेक्षणों के अनुरूप थे, और ले पेन के समर्थकों ने खुुशी जताई। हालाँकि, उन्होंने इस पर थोड़ी स्पष्टता प्रदान की कि क्या आप्रवासी विरोधी, यूरोसेप्टिक आरएन रन–ऑफ के बाद यूरोपीय संघ समर्थक मैक्रों के साथ सहयोग करने के लिए सरकार बनाने में सक्षम होंगे। फ्रांस में कई लोगों के लिए लंबे समय तक अछूत रही आरएन अब पहले की तुलना में सत्ता के करीब है। चुनाव परिणाम संबंधी पूर्वानुमान के अनुसार, संसदीय चुनाव में 'नेशनल रैली' की जीत की संभावना है। देश में 4.95 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं जो फ्रांस की संसद के प्रभावशाली निचले सदन नेशनल असेंबली के 577 सदस्यो को चुनेंगे। मतदान बंद होने से तीन घंटे पहले 59 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार क प्रयोग किया। यह 2022 में हु पहले दौर के मतदान से 20 प्रतिशत अधिक है।

ट्रंप से डिबेट में पिटे बाइडेन तो परिवार ने सलाहकारों को ठहराया दोषी, उठने लगी हटाए जाने की मांग

78 वर्षीय ट्रम्प ने 27 जून को 90 मिनट की बहस के दौरान घिसे–पिटे, स्पष्ट झूठ की एक श्रृंखला दोहराई, जिसमें यह दावा भी शामिल था कि उन्होंने वास्तव में 2020 का चुनाव जीता था।अमेरिकी राष्ट्रपति पद की बहस में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के कमजोर और फीके प्रदर्शन के कुछ दिनों बाद उनके परिवार के सदस्यों ने कथित तौर पर उनके शीर्ष अभियान सलाहकारों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाइडेन के परिवार ने बहस में राष्ट्रपति के फ्लॉप होने के लिए उनके सलाहकारों को जिम्मेदार ठहराया है और बाइडेन से अपने राजनीतिक आलाकमान के लोगों को बर्खास्त करने या पदावनत करने का आग्रह किया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प के साथ बाइडेन की बहस की पूरी रुपरेख उनके सबसे वरिष्ठ सलाहकारों द्वारा तैयार की गई थी। लेकिन डिबेट में पिछड़ने के बाद आलोचक अब इसको लेकर सवाल उठाने लगे हैं। 78 वर्षीय ट्रम्प ने 27 जून को 90 मिनट की बहस के दौरान घिसे–पिटे, स्पष्ट झूठ की एक श्रृंखला दोहराई, जिसमें यह दावा भी शामिल था कि उन्होंने वास्तव में 2020 का चुनाव जीता था। बाइडेन के परिवार ने बहस अभ्यास के बारे में शिकायत की और आरोप लगाया कि राष्ट्रपति अटैक करने और झूठ को काउंटर के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं दिख रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि बाइडेन दूसरे कार्यकाल के लिए एक नए विजन को रेखांकित करने के बजाय अपने रिकॉर्ड का बचाव करने में बहुत अधिक व्यस्त नजर आए। कथित तौर पर उनके परिवार ने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति पर अत्यधिक काम किया गया और उन्हें ठीक से आराम नहीं दिया गया। रॉयटर्स से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मेरा एकमात्र अनुरोध यह सुनिश्चित था कि बहस से पहले उन्हें आराम मिले, लेकिन वह थक गए थे। वह अस्वस्थ थे,ष एक व्यक्ति ने कहा कि उन्होंने कुछ दिनों पहले बिडेन के शीर्ष सहयोगियों से अपील की थी, लेकिन कोई फायदा नही हुआ। रॉयटर्स ने फ्लोरिडा स्थित वकील और मेजर बिडेन जॉन मॉर्ग के हवाले से कहा, मेरा मानना घ्है कि उन्हें जरूरत से ज्यादा प्रशिक्षित किया गया था, जरूरत से ज्याद अभ्यास कराया गया था। और मेर मानना है कि (वरिष्ठ सहयोगी) अनीता डन ने उन्हें ट्रंप के लि अनुकूल जगह पर रखा था, न कि उनके लिए।ष धन संचय, जैसा कि कहा जा रहा है।

अनारकली की तरह मां–बेटी को किसने दीवार में चुनवाया ? . मौके पर पहुंची पुलिस रह गई हैरान

पाकिस्तान की एआरवाई न्यूज के मुताबिक, यह घटना हैदराबाद के लतीफाबाद नंबर 5 इलाके में हुई जहां संपत्ति विवाद के बाद महिला के बहनोई सुहैल और उसके बेटों ने मां–बेटी को एक कमरे में बंद कर दिया था और दीवार बनाकर उन्हें अंदर बंद कर दिया था। पाकिस्तान के हैदराबाद में संपत्ति विवाद के बाद एक महिला और उसकी किशोर बेटी को उनके रिश्तेदारों ने कमरे में कैद कर लिया और फिर उस कमरे के बाहर दीवार बनाकर उसे पूरी तरह से सील कर दिया। बाद में पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दीवार तोड़ी और मां–बेटी को बचाया। बाद में स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद दोनों को बचाने के लिए दीवार गिरा दी गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि महिला ने अपने जीजा पर उत्पीड़न का आरोप लगाया और दावा किया कि उसने जबरदस्ती उनके घर से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए।पाकिस्तान की एआरवाई न्यूज के मुताबिक, यह घटना हैदराबाद के लतीफाबाद नंबर 5 इलाके में हुई जहां संपत्ति विवाद के बाद महिला के बहनोई सुहैल और उसके बेटों ने मां–बेटी को एक कमरे में बंद कर दिया था और दीवार बनाकर उन्हें अंदर बंद कर दिया था। बाद में स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद दोनों को बचाने के लिए दीवार गिरा दी गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि महिला ने अपने जीजा पर उत्पीड़न का आरोप लगाया और दावा किया कि उसने जबरदस्ती उनके घर से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए। घटना के बारे में बोलते हुए, हैदराबा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ फारुख लिंज ने एआरवाई न्यूज को बताय कि मामले की जांच शुरू क दी गई है और जल्द से जल् गिरफ्तार किया जाएगा।

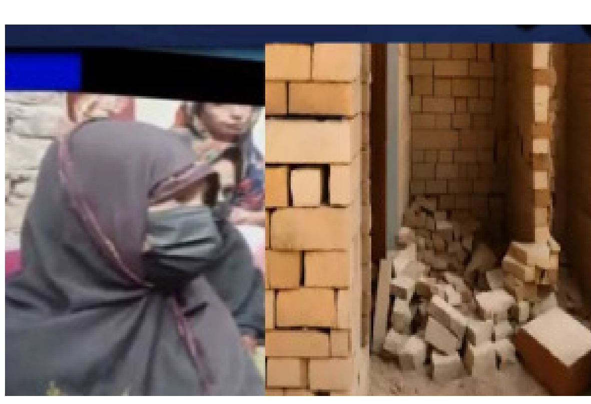

रोहित शर्मा के बाद कौन बनेगा भारत का नया टी20 कप्तान ? जय शाह ने दिया बड़ा संकेत

अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल के सामने सबसे बड़ा टास्कर टीम इंडिया का नया टी20 कप्तान चुनना है। नए टी20 कप्तान का चयन अहम रहने वाला है। क्योंकि दो साल बाद ही भारत और श्रीलंका की मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप 2026 टूर्नामेंट खेला जाएगा। रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को टी20 वर्ल्ड कप 2024 की ट्रॉफी जिताकर टी20 फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। रोहित शर्मा के साथ स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने भी टी20 फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल के सामने सबसे बड़ा टास्कर टीम इंडिया का नया टी20 कप्तान चुनना है। नए टी20 कप्तान का चयन अहम रहने वाला है। क्योंकि दो साल बाद ही भारत और श्रीलंका की मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप 2026 टूर्नामेंट खेला जाएगा। कौन होगा भारत का नया टी20 कप्तान?

वहीं बीसीसीआई सचिव जय शाह ने टीम इंडिया के नए टी20 कप्तान को लेकर बड़े संकते दिए हैं। हार्दिक पंड्या के टी20 वर्ल्ड कप 2024 में हरफनमौला प्रदर्शन और रोहित के बाद उनके कप्तान बनने की संभावना पर जय शाह ने कहा कि कप्तान का फैसला सेलेक्टर्स करेंगे। हम उनसे बात करके इसका ऐलान करेंगे। हार्दिक पंड्या के फॉर्म पर काफी सवाल उठ रहे थे, लेकिन हमने और सेलेक्टर्स ने उन पर भरोसा किया जिस पर वह खरे उतरे हैं। जय शाह ने इस तरह बड़े संकेत दिए हैं कि हार्दिक पंड्या ही रोहित शर्मा के बाद भारतीय टीम के नए टी20 कप्तान बनेंगे। बता दें कि, हार्दिक पंड्या की कप्तानी में पूर्व कप्तान एमएस धोनी के स्टाइल की झलक देखने को मिलती है। हार्दिक पंड्या में कप्तान बनने के सारे गुण मौजूद हैं। बल्लेबाजी के दौरान हार्दिक संयम दिखाते हैं और वह लगातार 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी भी करने का टैलेंट रखते हैं। फील्डिंग में भी हार्दिक पंड्या का कोई सानी नहीं है, अक्सर हार्दिक पंड्या की तुलना पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव से भी की जाती है।

हार्दिक पंड्या को पत्नी नताशा ने नहीं दी वर्ल्ड कप जीतने की बधाई, क्या रिश्ते में आ गई है दरार ?

भारतीय क्रिकेट टीम ने 17 साल का सूखा खत्म कर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता। इस बड़ी जीत में हार्दिक पंड्या का बेहद अहम रोल रहा है। लेकिन इस बीच हार्दिक पंड्या और उनकी पत्नी के रिश्ते को लेकर एक बार भी चर्चा शुरू हो गई है। दरअसल,

नताशा स्टेनकोविक ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 की जीत पर कुछ भी शेयर नहीं किया है।टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर भारतीय क्रिकेट टीम ने 17 साल का सूखा खत्म किया है। इस बड़ी जीत में हार्दिक पंड्या का बेहद अहम रोल रहा है। लेकिन इस बीच हार्दिक पंड्या और उनकी पत्नी के रिश्ते को लेकर एक बार भी चर्चा शुरू हो गई है। दरअसल, नताशा स्टेनकोविक ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 की जीत पर कुछ भी शेयर नहीं किया है। जिसके बाद इस कपल के डिवोर्स की अफवाहों ने फिर से तूल पकड़ लिया है। ऐतिहासिक टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद हार्दिक अपने इमोशन पर कंट्रोल नहीं कर पाए और रो पड़े। उन्हें वीडियो कॉल पर बात करते हुए भी देखा गया था, लेकिन फैंस ने अनुमान लगाया कि वह कॉल नताशा स्टेनकोविकट के साथ नहीं था। वहीं भारत की जीत पर नताशा ने भी किसी तरह का कोई पोस्ट शेयर नहीं किया। हालांकि, इससे पहले नताशा हमेशा हार्दिक की जीत पर पोस्ट शेयर करती थीं, फिर चाहे वो आईपीएल हो या अन्य मैच लेकिन इस बार इतनी बड़ी उपलब्धि पर उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर कुछ भी शेयर नहीं किया है। ऐसे में फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि दोनों के रिश्ते में दरार आ गई है। बता दें कि, आईपीएल 2024 के दौरान से हार्दिक पंड्या और नताशा लगातार अपने रिश्ते के कारण चर्चाओं में रहे। एक समय ऐसा भी था, जब नताशा ने अपनी शादी की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम से हटा दी थीं, लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने वहीं तस्वीरें अपलोड कर दीं। वहीं आईपीएल 2024 में हार्दिक पांड्या को कई बार ट्रोल और हूटिंग से गुजरना पड़ा उस समय भी नताशा हार्दिक को चीयर करने के लिए स्टेडियम नहीं आई।

रिटायरमेंट के बाद दिनेश कार्तिक की आरसीबी में हुई वापसी, इस नई भूमिका में आएंगे नजर

दरअसल, आरसीबी ने दिनेश कार्तिक को टीम का नया बल्लेबाजी कोच और मेंटॉर नियुक्त किया है। फ्रैंचाइजी ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। कार्तिक ने जून की शुरुआत में क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कह दिया था। इस दौरान उन्होंने अपने रिटायरमेंट के दौरान कहा था कि, आगने आने वाली नई चुनौतियों पर वो अपना ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।आरसीबी ने हाल ही में रिटायर हुए विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को टीम में नई जिम्मेदारी के साथ जोड़ा है। दरअसल, आरसीबी ने दिनेश कार्तिक को टीम का नया बल्लेबाजी कोच और मेंटॉर नियुक्त किया है। फ्रैंचाइजी ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। कार्तिक ने जून की शुरुआत में क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कह दिया था। इस दौरान उन्होंने अपने रिटायरमेंट के दौरान कहा था कि, आगने आने वाली नई चुनौतियों पर वो अपना ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। आरसीबी ने एक्स पर कार्तिक का एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि, हर मायने में हमारे विकेटकीपर, दिनेश कार्तिक का आरसीबी में बिल्कुल नए अवतार में स्वागत है।

जीतने के बाद जानिए भारत को मिली कितनी Prize Money, हारने वाली टीमों को मिले इतने पैसे, देखें पूरी लिस्ट

इस बार टी20 विश्व कप की समाप्ति के बाद सभी 20 टीमों को आईसीसी की ओर से पुरस्कार राशि भी दी गई है, जबकि विजेता टीम भारत और रनरअप टीम दक्षिण अफ्रीका को शानदार पुरस्कार राशि दी गई है। इस वर्ष आईसीसी ने पुरस्कार राशि अमेरिकी डॉलर में दी है।आईसीसी ने इस वर्ष टी20 विश्व कप में रिकॉर्ड संख्या में टीमों को पुरस्कार दिए है। इस बार जो पुरस्कार राशि टीमों को मिली है वो अब तक किसी भी टी20 विश्व कप में नहीं दी गई है। इतनी अधिक राशि को दिए जाने के पीछे भी कई अच्छे कारण है। इस वर्ष रिकॉर्ड 20 टीमों ने टी20 विश्वकप में हिस्सा लिया था। इस वर्ष इतनी अधिक संख्या में टीमों के हिस्सा लेने से मैचों की संख्या में भी इजाफा हुआ। वहीं टी20 विश्व कप को लेकर दर्शकों में भी भारी उत्साह देखने को मिला।इस बार टी20 विश्व कप की समाप्ति के बाद सभी 20 टीमों को आईसीसी की ओर से पुरस्कार राशि भी दी गई है, जबकि विजेता टीम भारत और रनरअप टीम दक्षिण अफ्रीका को शानदार पुरस्कार राशि दी गई है। इस वर्ष आईसीसी ने पुरस्कार राशि अमेरिकी डॉलर में दी है। इस पुरस्कार को लेख में भारतीय मुद्रा में बताया गया है। आईसीसी द्वारा दी गई पुरस्कार राशि का विवरण चौंपियन टीमरू भारतीय मुद्रा में करीब 20 करोड़ 37 लाख रुपये नर अप टीमरू भारतीय मुद्रा में लगभग 10 करोड़ 64 लाख रुपये सेमीफाइन में हारने वाली दोनों टीमेंरू भारतीय मुद्रा में 6 करोड़ 55 लाख रुपये सुपर आठ से बाहर हुईं 4 टीमेंरू भारतीय मुद्रा में 3 करोड़ 18 लाख रुपये 9वें से 12वें स्थान पर रहने वाली टीमेंरू भारतीय मुद्रा में लगभग 2 करोड़ 6 लाख रुपये 13वें से 20वें स्थान पर रहने वाली टीमेंरू भारतीय मुद्रा में लगभग 1 करोड़ 87 लाख रुपयेसेमीफाइनल और फाइनल को छोड़कर टूर्नामेंट में हर मैच जीतने वाली टीम को आईसीसी की ओर से भारतीय मुद्रा में लगभग 26 लाख रुपये दिए गए है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 से किसी टीम को कितना पैसा मिलारू–1. भारतरू चौंपियनशिप जीतने पर 20 करोड़ 37 लाख और मैच विनिंग बोनस भी दिया गया है।2. दक्षिण अफ्रीकारू विश्व कप में दूसरे नंबर पर रहने के लिए दक्षिण अफ्रीका को 10 करोड़ 64 लाख और मैच जीतने वाले बोनस के लिए 2 करोड़ 8 लाख, भारतीय मुद्रा में दक्षिण अफ्रीका की आय लगभग 12 करोड़ 72 लाख है।3. इंग्लैंडरू सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 6 करोड़ 55 लाख और 1 करोड़ 17 लाख मैच विनिंग बोनस, ब्रिटिश टीम की झोली में भारतीय मुद्रा के हिसाब से करीब 7 करोड़ 72 लाख आए।4. अफगानिस्तानरू सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 6 करोड़ 55 लाख और 1 करोड़ 30 लाख मैच विनिंग बोनस मिलाकर भारतीय मुद्रा में अफगानिस्तान की झोली में करीब 7 करोड़ 85 लाख आए।5. ऑस्ट्रेलियारू सुपर आठ में पहुंचने के लिए 3 करोड़ 18 लाख और मैच जीतने वाले बोनस के लिए 1 करोड़ 30 लाख, भारतीय मुद्रा में ऑस्ट्रेलिया की झोली में लगभग 4 करोड़ 48 लाख आए।6. बांग्लादेशरू सुपर आठ में प्रमोशन के लिए 3 करोड़ 18 लाख और मैच विनिंग बोनस के लिए 78 लाख, भारतीय मुद्रा में बांग्लादेश की झोली में लगभग 3 करोड़ 96 लाख आए। 7. वेस्टइंडीजरू सुपर आठ में पहुंचने के लिए 3 करोड़ 18 लाख और मैच विनिंग बोनस के तौर पर 1 करोड़ 30 लाख, भारतीय करेंसी के मुताबिक वेस्टइंडीज की जेब में करीब 4 करोड़ 48 लाख रुपए हैं।8. अमेरिकारू सुपर आठ में पहुंचने ` लिए 3 करोड़ 18 लाख और मैच जीतने वाले बोनस के लिए 65 लाख, भारतीय मुद्रा में अमेरिका की झोली में लगभग 3 करोड़ 83 लाख आए। 9 से 12वें नंबर पर पाकिस्तान (2 करोड़ 58 लाख), स्कॉटलैंड (2 करोड़ 71 लाख), न्यूजीलैंड (2 करोड़ 58 लाख) और श्रीलंका (2 करोड़ 45 लाख) हैं।13 से 20वें नंबर पर हैं कनाडा (2 करोड़ 26 लाख), आयरलैंड (2 करोड़), नामीबिया (2 करोड़ 13 लाख), ओमान (1 करोड़ 87 लाख), युगांडा (2 करोड़ 13 लाख), पापुआ न्यू गिनी (1 करोड़ 87 लाख), नीदरलैंड (2 करोड़ 13 लाख) और नेपाल (2 करोड़)।

बारबाडोस में भारतीय टीम मुश्किल में फंसी, खिलाड़ियों को होना पड़ा होटल रूम में बंद, यहां जानें कारण

बारबाडोस के मौसम के कारण भारतीय टीम को होटल के कमरों में बंद रहना पड़ रहा है। बाहर निकलने को लेकर सख्त चेतावनी जारी की जा चुकी है। तूफान की आशंका को देखते हुए टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी होटल के कमरे में बंद हैं। भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर 17 साल का सूखा खत्म किया है। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को हराकर ये ट्रॉफी अपने नाम की है। भारतीय फैंस को अपनी इस चौंपियन टीम का इंतजार है लेकिन भारत लौटने में उनको देरी हो रही है। बारबाडोस जहां टी20 वर्ल्ड कप फाइनल खेला गया वहां मौसम खराब होने के कारण भारतीय टीम बुरी तरह फंस गई है। हालात बेहद खराब हैं सारे खिलाड़ी होटल के कमरे में बंद होने को मजबूर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद जल्दी से जल्दी स्वदेश लौटना चाहती है लेकिन बारबाडोस के मौसम ने उनको रोक दिया है। मौसम विभाग ने बारबाडोस में चक्रवाती तूफान की आशंका जताते हुए इसको लेकर हाई–अलर्ट जारी किया है। इसकी वजह से वहां की सारे एयरपोर्ट्स को फिलहाल बंद कर दिया गया है। बारबाडोस से जारी उड़ाने रद्द कर दी गई हैं। स्थानीय लोगों को भी घर से निकलने को मना किया गया है। तूफान की वजह से पूरे इलाके में कर्फ्यू जैसे हालात हैं। बारबाडोस के मौसम के कारण भारतीय टीम को होटल के कमरों में बंद रहना पड़ रहा है। बाहर निकलने को लेकर सख्त चेतावनी जारी की जा चुकी है। तूफान की आशंका को देखते हुए टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी होटल के कमरे में बंद हैं। पीटीआई की रिपोर्ट की माने तो इस वक्त होटल में 70 सदस्यों के होने की जानकारी है। जैसे ही मौसम में बदलाव होता है सभी सदस्यों को चार्टरन फ्लाइट के जरिए बारबाडोस से निकालकर ब्रिजटाउन पहुंचाया जाएगा।

बरसात में घर से बाहर निकलें तो इन बातों का जरूर रखें ख्याल

भीषण गर्मी के बाद भारत में मौनसून ने दस्तक दे दी है. इस दौरान आपको किन बातों का ख्याल रखना है इस आर्टिकल में हम विस्तार से बताएंगे.

भीषण गर्मी के बाद पूरे देश में भारी बारिश हो रही है. इस दौरान गर्मी से राहत तो मिली है लेकिन जब भी बाहर निकले तो कुछ खास बातों का जरूर ख्याल रखें.

भारी बारिश के दौरान पैदल या गाड़ी से चलने से बचें. क्योंकि इस दौरान पानी की गहराई धोखा दे सकती है. जरूरत पड़ने पर ही घर से बाहर निकलें. उथले पानी में भी खतरनाक मलबा या खुले मैनहोल हो सकते हैं.

जब आपको बाहर जाने की जरूरत हो तो खुद को सूखा और आरामदायक रखने के लिए वाटरप्रूफ जूते और रेन गियर खरीदें. गीले जूते और कपड़े असुविधा का कारण बन सकते हैं और फंगल संक्रमण और सर्दी के जोखिम को बढ़ा सकते हैं. छाते या रेनकोट भारी बारिश में ठीक से काम नहीं करते हैं.

बरसात के मौसम में सड़कें फिसलन भरी हो जाती हैं, जिससे गाड़ी चलाना या बाइक चलाना ज्यादा खतरनाक हो जाता है. सामान्य से धीमी गति से गाड़ी चलाएं और अपने सामने वाले वाहन से सुरक्षित दूरी बनाए रखें.

बारिश का पानी आपके घर के आस–पास के कंटेनरों में जमा हो सकता है और मच्छरों के प्रजनन का आधार बन सकता है, जो डेंगू बुखार और मलेरिया जैसी बीमारियों को फैला सकते हैं.

नियमित रूप से उन कंटेनरों को खाली करें और साफ करें जिनमें पानी इकट्ठा होता है, जैसे कि फूलों के गमले, टायर और पक्षियों के नहाने के लिए इस्तेमाल होने वाले बर्तन. खुद को काटने से बचाने के लिए मच्छरदानी या रिपेलेंट का इस्तेमाल करें.

सब्जी काटते हुए इन बातों का जरूर रखें ख्याल, नहीं तो आपकी यह छोटी सी गलती पड़ेगी भारी

हम सभी के घर में प्लास्टिंग चॉपिंग बोर्ड का इस्तेमाल काफी ज्यादा होता है. लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इसका ज्यादा इस्तेमाल आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकता है.

इन दिनों खराब खानपान और लाइफस्टाइल को लेकर लोग जागरूक तो लेकिन उसे फॉलो नहीं कर रहे हैं. हर रोज एक्सरसाइज करना और हेल्दी रहना बेहद जरूरी है. लेकिन क्या आप जानते हैं आप जो सब्जी काटने के लिए बोर्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं तो वह भी आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है.अपने घर में एक छोटा सा प्लास्टिक का चॉपिंग बोर्ड रखा होगा. लेकिन क्या आपको पता है यह काफी ज्यादा खतरनाक होता है. दरअसल, रिसर्च में पता चला है कि प्लास्टिक के चॉपिंग बोर्ड में अक्सर हम सब्जियां और फल काटते हैं यह हमारी सेहत के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं हैं. प्लास्टिक के चॉपिंग बोर्ड पर पॉलीथीन और पॉलीप्रोपाइलीन के प्लास्टिक के बने होते हैं. इस बोर्ड पर जब चाकू से फल या सब्जी काटते हैं तो प्लास्टिक के टुकड़े निकलकर फल या सब्जी में मिल जाते हैं.माइक्रोप्लास्टिक जब हमारे शरीर के अंदर चला जाता है तो कई सारी स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती है. माइक्रोप्लास्टिक पाचन तंत्र को भी काफी ज्यादा नुकसान पहुंचाती है. माइक्रोप्लास्टिक इम्युनिटी को भी काफी ज्यादा कमजोर करती है. इसलिए हमें इसके इस्तेमाल से बचना चाहिए. इससे कैंसर का खतरा बढ़ता है.प्लास्टिक के चॉपिंग बोर्ड के बजाय आप लकड़ी, कांच या फाइबर के टॉपिंग बोर्ड का इस्तेमाल करें. क्योंकि यह हेल्थ के लिए अच्छे होते हैं. इसमें से माइक्रोप्लास्टिक छोड़ने की संभावना कम होती है।

डिफरेंट लुक पाने के लिए लहरिया डिजाइन में ट्राई करें को-अश्वर्ड सेट, लगेंगी बेहद खूबसूरत

अगर आप भी नए डिजाइन को–ऑर्ड सेट सर्च कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम आपको को–ऑर्ड सेट के कुछ ऑप्शन दिखा रहे हैं। ऐसे में आप भी इन ऑप्शन को ट्राई कर सकती हैं।हर दूसरे दिन फैशन में कुछ न कुछ बदलाव देखने को मिलता है। फैशन ट्रेंड में बदलाव के साथ ही लोगों के आउटफिट को स्टाइल करने का तरीका भी बदल जाता है। क्योंकि इससे हम फैशन ट्रेंड के साथ–साथ चलते हैं। साथ ही हमें कुछ नया ट्राई करने का भी मौका मिलता है। वहीं आज के समय में हर किसी को को–ऑर्ड सेट स्टाइल करना बेहद पसंद है।ऐसे में हम सभी अलग–अलग डिजाइन खोजते हैं, जिसके कि हम अधिक स्टाइलिश दिख सकें। अगर आप भी नए डिजाइन को–ऑर्ड सेट सर्च कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको को–ऑर्ड सेट के कुछ ऑप्शन दिखा रहे हैं। ऐसे में आप भी इन ऑप्शन को ट्राई कर सकती हैं।अगर आप भी एम्ब्राइडरी वर्क वाले आउटफिट पहनना पसंद करती हैं। तो आप लहरिया प्रिंटेड एम्ब्राइडरी वर्क को–ऑर्ड सेट ट्राई कर सकती हैं। इसमें ऊपर वाले टॉप पर एम्ब्राइडरी वर्क होता है। जो आपके लुक को अच्छा बनाता है। वहीं आपको कुछ नया ट्राई करने का मौका मिलेगा। इसमें आपको प्रिंट के हिसाब से एम्ब्राइडरी मिलेगी। इसको कैरी करने से आपका लुक अधिक स्टाइलिश लगेगा। इस तरह के आउटफिट को आप पार्टी में भी पहन सकती हैं। बता दें कि मार्केट में इस तरह के को–आर्ड सेट 500–1000 रुपए तक में आसानी से मिल जाएंगे।पैंट को–ऑर्ड सेट विद डिजाइनर बेल्टइसके अलावा आप को–ऑर्ड सेट को पैंट स्टाइल में भी खरीद सकती हैं। इसके साथ आपको लॉन्ग कुर्ता स्टाइल टॉप मिलेगा।

कल्कि 2898 एडी ने बाक्स आफिस पर उड़ाया गर्दा, वर्ल्डवाइड कमा डाले 415 करोड़

प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, कमल हासन स्टारर कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है. पहले दिन 191.5 करोड़ रुपये की कमाई करने के बाद, नाग अश्विन की साई–फाई फिल्म कल्कि 2898 एडी बेहतरी की ओर बढ़ रही है. दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन के बाद, शुरुआती अनुमान बताते हैं कि फिल्म ने भारत में तीसरे दिन 67.10 करोड़ रुपये कमाए. कल्कि 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई.कल्कि 2898 एडी ने दूसरे दिन भारत में 57.60 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड 298 करोड़ रुपये कमाए. इसी के साथ फिल्म का टोटल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 415 करोड़ रुपये हो गया है. तीसरे दिन के शुरुआती अनुमान बताते हैं कि फिल्म ने भारत में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने अपने पहले शनिवार को 67.10 करोड़ रुपये कमाए, जिससे तीन दिन की कुल कमाई 220 करोड़ रुपये हो गई.नाग अश्विन के निर्देशन में बनी ये फिल्म भगवान विष्णु के आधुनिक अवतार की है, जिनके बारे में कहा गया है कि दुनिया को बुराइयों से बचाने के लिए उन्होंने यह अवतार लिया है।फिल्म में प्रभास और दीपिका पादुकोण से कहीं ज्यादा अमिताभ की तारीफ हो रही है।कमल हासन, दिशा पाटनी और दुलकर सलमान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। वैजयंती मूवीज ने 600 करोड़ रुपये के बजट में कल्कि 2898 एडी बनाई. इसे भारत की सबसे महंगी फिल्म माना जा रहा है. प्रभास के अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन जैसे कलाकार खास रोल प्ले कर रहे हैं. इनके अलावा दिशा पटानी, पसुपति, शोभना, अन्ना बेन भी फिल्म का हिस्सा हैं वहीं फिल्म के सरप्राइज फैक्टर एसएस राजामौली, विजय देवरकोंडा, राम गोपाल वर्मा, दुलकर सलमान और मृणाल ठाकुर हैं जिन्होंने इस फिल्म में कैमियो किया है.।

थंगलान से सामने आई अभिनेता विक्रम की नई झलक, फिल्म की रिलीज की तारीख से भी उठा पर्दा!

अभिनेता विक्रम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म थंगलान को लेकर चर्चा में हैं। यह इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। वहीं अब फिल्म के बारे में कुछ दिलचस्प जानकारियां सामने आई हैं। सोशल मीडिया पर इसकी रिलीज के बारे में कई चर्चाएं हैं। हालांकि, अभी तक फिल्म की आधिकारिक तौर पर रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया गया है। वहीं इस बीच अब विक्रम ने फिल्म से अपनी नई झलक साझा की है, जिसने दर्शकों का उत्साह और बढ़ा दिया है।भिनेता विक्रम ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर थंगलान से एक मोनोक्रोम तस्वीर के जरिए अपनी नई झलक साझा की। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, रोमांचक समय, थंगालान। तस्वीर में वे पगड़ी पहने और दाढ़ी रखे हुए दिखाई दे रहे हैं। वे कैमरे की तरह गंभीर भाव से घूर रहे हैं। अब दर्शकों को फिल्म पर मिले नए अपडेट पर खुशी हो रही हैं, क्योंकि कुछ दिनों से फिल्म की रिलीज में संभावित देरी होने की खबरें सामने आ रही थीं। इस बीच चर्चा है कि फिल्म के निर्माताओं ने इसकी रिलीज के लिए भी तारीख तय कर ली है। हालांकि, फिल्मांकन पिछले साल पूरा हो गया था, लेकिन थंगलान की अभी तक कोई निश्चित रिलीज तिथि तय नहीं हुई है। वहीं सोशल मीडिया पर खबरें हैं कि अधूरी शूटिंग के कारण अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2रू द रूल की रिलीज में देरी हो सकती है। इस संभावित देरी से थंगलान को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया ज सकता है।

औरों में कहां दम था का किसी रोज गाना रिलीज, अजय–तब्बू ने कृष्ण और वसुधा की दिखाई झलक

हाल ही में रिलीज हुए श्औरों में कहाँ दम थाय् के ट्रेलर ने पूरे देश में हलचल मचा दी है। यह आगामी फिल्म प्रशंसित लेखक–निर्देशक नीरज पांडे की गहन प्रेम कहानियों की शैली में कदम रखने जा रही है। प्रशंसक विशेष रूप से अजय देवगन और तब्बू की सदाबहार जोड़ी के बीच की शानदार ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री को देखने के लिए उत्साहित हैं। केंद्रीय रोमांस से परे फिल्म अपने संगीत के माध्यम से एक आकर्षक अनुभव का वादा करती है।श्टूय और श्ये दिल जराय् जैसे गाने पहले ही चार्ट पर चढ़ चुके हैं, जिन्होंने अपनी धुनों से लोगों का दिल जीत लिया है। अब इसी बीच फिल्म निर्माताओं ने नया गाना श्किसी रोजय् रिलीज कर दिया है।प्रतिभाशाली मैथिली ठाकुर द्वारा गाया गया यह मधुर ट्रैक श्रोताओं को कृष्ण (देवगन द्वारा अभिनीत) और वसुधा (तब्बू द्वारा अभिनीत) की प्रेम कहानी में गहराई से ले जाता है। इस गाने का जादू ऑस्कर विजेता काम के लिए मशहूर कुशल संगीतकार एमएम क्रीम और मार्मिक गीतकार मनोज मुंतशिर के बीच सहयोग का नतीजा है। बता दें कि फिल्म श्औरों में कहां दम थाय् में न केवल एक शक्तिशाली केंद्रीय जोड़ी है, बल्कि एक मजबूत सहायक कलाकार भी है। जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर, शांतनु माहेश्वरी और सयाजी शिंदे जैसे कलाकारों ने काम किया है।यह फिल्म एनएच स्टूडियोज और फ्राइडे फिल्मवर्क्स का संयुक्त निर्माण है। बता दें कि फिल्म औरों में कहां दम था 5 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है।

अल्लू सिरीश की फिल्म बडी का ट्रेलर रिलीज

फिल्म बडी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अल्लू सिरीश की बडी का ट्रेलर एक दिल को छू लेने वाले रोमांच के साथ शुरू हुआ। अल्लू सिरीश तमिल निर्देशक सैम एंटोन के साथ मिलकर बडी के लिए काम कर रहे हैं, इसलिए एक दिल को छू लेने वाले रोमांच के लिए तैयार हो जाइए। पहले लुक और सिंगल को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद, फिल्म का ट्रेलर आ गया है, और यह हास्य, एक्शन और भावनात्मक गहराई का एक शानदार मिश्रण है।ट्रेलर में एक अनूठी कहानी दिखाई गई है मुसीबत में फंसा एक टेडी बियर आदित्य राम (अल्लू सिरीश) से मदद मांगता है। हम देखते हैं कि यह अप्रत्याशित जोड़ी समस्या को हल करने के लिए एक साथ आती है, जिसमें सिरीश फिल्म में एक पायलट की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रेलर की बेहतरीन एडिटिंग और रोमांचक दृश्य एक आकर्षक कहानी के लिए मंच तैयार करते हैं।सिरीश के साथ कई प्रतिभाशाली कलाकार हैं, जिनमें गायत्री भारद्वाज मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही प्रिशा सिंह, अजमल आमिर, मुकेश ऋषि, मोहम्मद अली और अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभा रहे हैं। फिल्म हिप हॉप तमिजा के आकर्षक साउंडट्रैक पर आधारित है।स्टूडियो ग्रीन द्वारा निर्मित, जो अपनी उच्च गुणवत्ता वाली फिल्मों के लिए जाना जाने वाला एक प्रसिद्ध प्रोडक्शन हाउस है, बडी एक ताजा और मनोरंजक अनुभव का वादा करता है। ट्रेलर ने प्रशंसकों के बीच उत्साह जगा दिया है, जो फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अपने अनूठे आधार, मजबूत कलाकारों और प्रभावशाली प्रोडक्शन वैल्यू के साथ, बडी एक आकर्षक सिनेमाई यात्रा होने के लिए तैयार है।

सनी देओल और गोपीचंद मालिनेनी की एसडीजीएम के शीर्षक से उठा पर्दा, फिल्म का टाइटल रखा गया जट्ट

सनी देओल को पिछली बार फिल्म गदर 2 में देखा गया था, जिसमें उनके काम को खूब सराहा गया। यह फिल्म 2023 की सुपरहिट फिल्मों में से एक है।फिलहाल सनी के हाथ में कई फिल्में हैं, जिनमें एक नाम गोपीचंद मालिनेनी के निर्देशन में बन रही फिल्म एसडीजीएम भी शामिल है।अब इस फिल्म के शीर्षक से पर्दा उठ गया है। सनी और गोपीचंद की फिल्म का नाम जट्ट है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है।रिपोर्ट के मुताबिक, सनी और गोपीचंद की फिल्म का नाम जट्ट बताया जा रहा है। इस फिल्म को देश की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म बताया जा रहा है।सनी का फिल्म में बेहद अलग अवतार देखने को मिलेगा। फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे।रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जट्ट की शूटिंग शुरू हो गई है और सनी सितंबर तक फिल्म की शूटिंग खत्म करने वाले हैं।सनी के अलावा रेजिना कैसांद्रा और सैयामी खेर भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाती हुई नजर आएंगी।सनी और गोपीचंद ने इस फिल्म के लिए पुष्पा के निर्माताओं के साथ हाथ मिलाया है।यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।जट्ट के अलावा सनी फिल्म बॉर्डर 2 में नजर आएंगे। यह फिल्म साल 1997 में आई फिल्म का सीक्वल है।

जहीर इकबाल को सोनाक्षी सिन्हा के साथ शादी करना पड़ा भारी! लगे श्लव जिहादश के आरोप, शत्रुघ्न सिन्हा अस्पताल में भर्ती हुए

हाल ही में जहीर इकबाल संग सोनाक्षी सिन्हा ने शादी की। जिसके बाद बिहार के एक हिंदूवादी संगठन ने शत्रुघ्न सिन्हा के दामाद पर लव जिहाद का आरोप लगाया। हिंदू संगठन यह तक कह दिया सोनाक्षी बिहार में दाखिल न हो। इसके अगले ही दिन शत्रुघ्न सिन्हा कथित तौर पर एक हादसे का शिकार हो गए। जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।दबंग एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने 23 जून को जहीर इकबाल से शादी की थी, जिसके दो दिन बाद ही 25 जून को शत्रुघ्न सिन्हा कथित तौर पर हादसे का शिकार हो गए। इससे एक दिन पहले 24 जून को बिहार के हिंदुवादी संगठन हिंदू शिव भवानी सेवा ने जहीर इकबाल पर लव जिहाद का आरोप लगा दिए गए और इतना ही नहीं सोनाक्षी सिन्हा से उनकी शादी को इस्लामीकरण की कोशिश बताया था। शत्रुघ्न सिन्हा की स्थिति के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया, लेकिन जो खबरें सामने आईं, उनमें दावा किया जा रहा है कि वे अपने डाइनिंग रूम में हादसे का शिकार हुए थे।शत्रुघ्न सिन्हा 25 जून को अपने घर की पसंदीदा जगह पर थे, तब उन्हें चोट लगी। हादसे के बाद मुंबई स्थित कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया। टाइम्स नाउ की रिपोर्ट के अनुसार, वे डाइनिंग रूम में फिसल गए थे, उनकी पसलियों में चोट आई थी और उनकी एक छोटी–सी सर्जरी हुई। जब अभिनेता के साथ यह हादसा हुआ, तब उनकी बेटी सोनाक्षी सिन्हा पास ही मौजूद थीं। सोनाक्षी सिन्हा ने उन्हें तुरंत सहारा दिया और ज्यादा गंभीर चोट लगने से बचाया। सोनाक्षी सिन्हा के मामा पहलाज निहलानी ने भी पुष्टि की कि शत्रुघ्न सिन्हा अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने कहा, हां, शत्रुघ्न अस्पताल में हैं, लेकिन अब वे पूरी तरह ठीक हैं। वे कल शाम तक घर लौट आएंगे।शत्रुघ्न सिन्हा को वायरल फीवर थाशत्रुध्न सिन्हा के छोटे बेटे लव सिन्हा ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि, पापा को वायरल फीवर था और वे बीते कुछ दिनों से कमजोरी महसूस कर रहे थे, तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

साई धरम तेज ने की नई पैन–इंडिया हाई–एक्शन ड्रामा फिल्म एसडीटी18 की घोषणा, फिल्म का पोस्टर भी जारी

विरुपाक्ष और ब्रो की एक अरब रुपये की ब्लॉकबस्टर सफलताओं के बाद, अभिनेता मेगा सुप्रीम हीरो साई दुर्गा तेज एक और महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए कमर कस रहे हैं। उनकी आने वाली फिल्म रोहित केपी की निर्देशन में पहली फिल्म है। निर्माता, प्राइमशो एंटरटेनमेंट के के.निरंजन रेड्डी और चौतन्य रेड्डी।निर्माताओं ने फिल्म की घोषणा का पोस्टर जारी कर दिया है। बारूदी सुरंगों से घिरे रेगिस्तान के बीच एक अकेला हरा पेड़ दिखाते हुए, पोस्टर संभावित रूप से सार्वभौमिक विषय वाली कहानी का संकेत देता है। एक नेता भूमि के लिए उठता है की थीम के साथ पोस्टर आकर्षक लग रहा है।यह फिल्म एक भव्य प्रोडक्शन होगी जिसे उच्च बजट पर बनाया जाएगा। इस हाई–ऑक्टेन, पीरियड–एक्शन ड्रामा में साई दुर्गा तेज एक शक्तिशाली किरदार निभा रही हैं। पहले शेड्यूल के लिए विशेष रूप से बनाए गए एक विशाल सेट पर पहले शेड्यूल की शूटिंग चल रही है।फिलहाल एसडीटी18 शीर्षक वाली इस फिल्म को तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में पूरे भारत में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है।फिल्म का पहला पोस्टर जारी करते हुए अभिनेता ने अपनी नई फिल्म की घोषणा की। घोषणा पोस्टर ने दर्शकों का ध्यान खींचा। रिपोर्ट्स के अनुसार यह आगामी फिल्म अभिनेता साइ धर्म तेज के करियर में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है,

क्योंकि इसे बड़े बजट प बनाए जाने की चर्चा है। यह फिल्म तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम सहित कइ भाषाओं में रिलीज होने वाली है जो विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक दर्शको तक पहुंचेगी।

ट्विंकल अरोड़ा के आरामदायक कपड़े क्राप टाप, लूज पैंट हैंय डेट नाइट के लिए क्लासी पसंद

अभिनेत्री ट्विंकल अरोड़ा ने इस बात पर जोर दिया है कि लोग फैशन ट्रेंड के पीछे कैसे हद से ज्यादा आगे निकल जाते हैं। उन्होंने अपने आरामदायक कपड़ों और डेट नाइट आउटफिट्स के लिए अपनी पसंद का खुलासा किया।उड़ारियां में अपने काम के लिए मशहूर ट्विंकल का कहना है कि वह फैशन ट्रेंड के पीछे नहीं भागती हैं।उनके लिए फैशन के मामले में आराम सबसे ज्यादा मायने रखता है।

उन्होंने कहा फैशन ट्रेंड बदलते रहते हैं और मैं उनमें से एक हूँ जो सक्रिय रूप से उनका अनुसरण नहीं करती। कभी–कभी मुझे लगता है कि यह एक मुश्किल काम है क्योंकि मैं फैशन बैकग्राउंड से नहीं हूँ। इसलिए इसके साथ बने रहने के लिए मुझे प्रयास करना पड़ता है।उन्होंने बताया कि एक अभिनेत्री के तौर पर उन्हें स्टाइल करने के लिए मजबूर नहीं किया जाता है, बल्कि वह मौके और जगह के हिसाब से कपड़े पहनने में विश्वास करती हैं।फैशन ट्रेंड के बारे में आगे बात करते हुए ट्विंकल ने कहारू कभी–कभी मैं देखती हूं कि लोग जो पहन रहे हैं, उसमें सहज नहीं हैं। लेकिन यही फैशन है। पहनने के बारे में फैसला करते समय आपको जिस चीज पर ध्यान देना चाहिए, वह है शान और आराम। आउटफिट चुनते समय ये दो चीजें मेरे मुख्य विचार हैं। ट्विंकल के आरामदायक कपड़े ढीले पैंट और क्रॉप टॉप हैं, उन्होंने कहा कि इन्हें पहनना आसान है और ये अच्छे लगते हैं।उन्होंने कहा, ये पहनने में भी आरामदायक हैं। इसके बाद, पजामा या कोई भी ऐसा कपड़ा जो आरामदायक लगे, ये मेरे आरामदायक कपड़े हैं। कुछ ऐसे कपड़े जो मैं आसानी से पहन सकती हूं और जो प्रेजेंटेबल हों, जैसे को–ऑर्ड्स। डेट नाइट के लिए, वह आरामदायक, खूबसूरत और क्लासी ड्रेस चुनती हैं या फि बेसिक लॉन्ग पैंट और क्रॉ टॉप पहनती हैं। हालांकि एक्सेसरीज के मामले में, उन्हे यकीन नहीं है कि वह क्य चुनेंगी।

काम के मोर्चे पर, वह अगली बार खूबसूरत में दिखाई देंगी

शिमरी गोल्डन ब्लाउज और लान्ग स्कर्ट में किलर लग रही मोनालिस, अदाएं ऐसी की नजर नहीं हटा सकेंगे

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा हमेशा अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिय पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपन लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरे इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किल अवतार देखकर फैंस एक बार फि से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।

एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपनी बोल्ड और स्टनिंग फोटोज शेय कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं।

वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं त अक्सर लोगों के बीच तेजी स वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर क इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है इन तस्वीरों में आप देख सकते है एक्ट्रेस मोनालिसा ने गोल्डन कल का ब्लाउज पहना हुआ है औ साथ ही थाई स्लिट लॉन्ग स्क पहनकर एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। मोनालिसा ने अपनी लेटेस्ट फोटोशू के दौरान कैमरे के सामने एक स बढ़कर एक कातिलाना पोज दे हुए सोशल मीडिया पर कहर ढ दिया है।

एक्ट्रेस मोनालिसा अपनी इन फोटोज में अपना कर्वी फिगर जमकर फ्लॉन् करती हुई नजर आ रही हैं। सा ही फैंस उनके स्टनिंग लुक्स की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

कानों में इयररिंग्स, नेकलेस, रिंग्स, चूड़ियां और हाई हील्स पहनकर एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जिलाधिकारी ने विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान जागरूकता रैली को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रैली कलेक्ट्रेट परिसर से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मंझनपुर तक निकाली गयी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुष्पेंद्र कुमार एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ0 अनुपमा मिश्रा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जनपद में विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान 01 जुलाई से 31 जुलाई 2024 तक संचालित किया जायेंगा, जिसके अन्तर्गत जनपदवासियों को मच्छरों एवं संक्रामक रोगों से बचाव के उपायों के विषय में जागरूक किया जायेंगा। "स्वस्थ्य व्यवहार अपनाना है, संचारी रोगों को हराना है।"' मच्छरों से बचाव के लिए दरवाजों व खिड़कियों पर जाली लगवानें, नियमित मच्छरदानी का प्रयोग करनें, मच्छररोधी उपाय अपनाने, अनुपयोगी वस्तुओं में पानी इकट्ठा न होने देंने, पानी की टंकी पूरी तरह से ढक कर रखनें, पूरी बॉह वाली कमीज पैन्ट और मोजे पहननें, घर और कार्य स्थल के आस–पास पानी जमा न होने देने, कूलर व गमलों आदि को सप्ताह में खाली कर सुखाने एवं गड्ढ़ों में जहॉ पानी इकट्ठा हो, उसे मिट्टी से भर देंने आदि के प्रति जागरूक किया जायेंगा। इसी प्रकार संक्रामक रोगों से बचाव के लिए नालियों में जल जमाव रोंकने एवं नियमित सफाई करने, जानवर बाडे घर से दूर रखने, जंगली झाड़ियों को नियमित साफ करने, चूहे–छछूंदरों से बचनें, पीने के लिए इण्डिया मार्का के पानी का प्रयोग करने, खाने से पहले साबुन से हॉथ धोनें, खुले में शौच न करने तथा नियमित शौचालय का प्रयोग करने आदि के प्रति जागरूक किया जायेंगा। दिमागी बुखार की रोकथाम के लिए क्या करें– जे0ई0 के टीके 02 वर्ष तक के बच्चों को नियमित टीकाकरण सत्र में लगवायें।. घरों के आस–पास साफ–सफाई रखें। .मच्छरो से बचने के लिए पूरी बॉह वाली कमीज और पैंट पहनें।. स्वच्छ पेयजल ही पियें। आस–पास जल जमाव न होने दें।. कुपोषित बच्चों को प्रति विशेष ध्यान रखें। बुखार होने पर बच्चों को बिना किसी देरी के उपचार के लिए सरकारी अस्पताल ले जाय। दस्तक अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई 2024 तक संचालित किया जायेंगा। दस्तक अभियान के अन्तर्गत आशा कार्यकत्री हर घर का भ्रमण कर संचारी रोगों से बचाव तथा इसके लक्षणों एवं उपचार सुविधाओं के प्रति जागरूक करेंगी। इसकें साथ ही डेंगू फाइलेरिया, मलेरिया, दिमागी बुखार एवं क्षय रोग के लक्षणयुक्त रोगियों की खोज कर जांच एवं उपचार के लिए सूची बनायेंगी।

मुख्य विकास अधिकारी ने की स्वीकृत आगनबाड़ी केन्द्र भवनों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा

अनारम्भ आगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कार्य तत्काल प्रारम्भ कराने के निर्देश

कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी द्वारा वित्तीय वर्ष 2023–24 में स्वीकृत 45 ऑगनबाड़ी केन्द्र भवनों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ऑगनबाड़ी केन्द्र समसपुर, अमनीलोकीपुर, वीरनपुर, उमरछा, बरैसा, मदारी का पूरा, बदलेपुर, विनौरा, फताहीपुर, शिवरा, खरौना, रायपुर, बरूआ, भगवतपुर, इटैलीपुर, इचौली, बम्बूपुर, कुण्ड्रावी, रमसहायपुर, टेंगाई, सौंरई खुर्द, शमसाबाद, रामपुर सुहेला, सेलरहापूरब, बसोहिनी, मोंगरीकड़ा, हिसामपुर माढ़ो, गनपा एवं अंदावां में निर्माण कार्य आरम्भ न होने के कारण सम्बन्धित सचिव, ग्राम पंचायत को तत्काल कार्य आरम्भ कराते हुए शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये। इसके साथ ही सचिव अमीनलोकीपुर, बैरसा, विनौरा, फताहीपुर, शाखा, इचौली, टेंगाई, सौरईखुर्द, को नोटिस जारी करते हुए एक सप्ताह के अन्दर प्रगति से अवगत कराने के निर्देश दिये।

बैठक में बताया गया कि स्वीकृत 45 ऑगनबाड़ी केन्द्र भवन–ऑगनबाड़ी केन्द्र समसपुर ऑगनबाड़ी केन्द्र बलिहावां देह, ऑगनबाड़ी केन्द्र अमनीलोकीपुर, ऑगनबाड़ी केन्द्र जलालपुर बोरियो, ऑगनबाड़ी केन्द्र नसीरपुर, ऑगनबाड़ी केन्द्र मोहिउद्दीनपुर गौस, ऑगनबाड़ी केन्द्र वीरनपुर, ऑगनबाड़ी केन्द्र उमरछा, ऑगनबाड़ी केन्द्र बरैसा,ऑगनबाड़ी केन्द्र नेवारी, ऑगनबाड़ी केन्द्र पाराहसनपुर, ऑगनबाड़ी केन्द्र विनौरा एवं फताहीपुर, ऑगनबाड़ी केन्द्र शिवरा, ऑगनबाड़ी केन्द्र बैरमपुर, ऑगनबाड़ी केन्द्र रानीपुर, ऑगनबाड़ी केन्द्र खरौना, ऑगनबाड़ी केन्द्र रायपुर, ऑगनबाड़ी केन्द्र बरूआ, ऑगनबाड़ी केन्द्र भगवतपुर, ऑगनबाड़ी केन्द्र इटैलीपुर, ऑगनबाड़ी केन्द्र इचौली, ऑगनबाड़ी केन्द्र पती का पूरा, ऑगनबाड़ी केन्द्र बम्बूपुर–1, 2, 3, ऑगनबाड़ी केन्द्र कुन्ड्रावी–1, 2, ऑगनबाड़ी केन्द्र टेंगाई–1, 2, 3, ऑगनबाड़ी केन्द्र रमसहायपुर–1, ऑगनबाड़ी केन्द्र सौरई खुर्द–3, ऑगनबाड़ी केन्द्र शमसाबाद–4, ऑगनबाड़ी केन्द्र चकिया, ऑगनबाड़ी केन्द्र गिरधरपुर, ऑगनबाड़ी केन्द्र मोंगरी कड़ा, ऑगनबाड़ी केन्द्र बसोहनी, ऑगनबाड़ी केन्द्र रामपुर सुहेला एवं ऑगनबाड़ी केन्द्र सेलरहा पूरब, ऑगनबाड़ी केन्द्र पेरई, ऑगनबाड़ी केन्द्र हिसामपुर माढ़ो, ऑगनबाड़ी केन्द्र गनपा–6, ऑगनबाड़ी केन्द्र शीतलपुर एवं ऑगनबाड़ी केन्द्र रामपुर बढ़नावां 06 विकास खण्डों में कुल 45 ऑगनवाड़ी केन्द्र भवन निर्माण के लिए चयनित हैं। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेश गुप्ता, सम्बन्धित बाल विकास परियोजना अधिकारी, सम्बन्धित अवर अभियन्ता, (ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग), अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा), सम्बन्धित ग्राम पंचायत के सचिव एवं ग्राम प्रधान उपस्थित रहें।

कादीपुर स्कूल में सीडीओ ने नवप्रवेशी बच्चों का टीका लगाकर किया स्वागत

सैनी, कौशाम्बी। एक जुलाई को परिषदीय स्कूलों में नवप्रवेशी बच्चों का स्वागत करने के शासन के आदेश पर सोमवार को सिराथू ब्लाक के कंपोजिट विद्यालय कादीपुर में स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के मुख्य विकास अधिकारी डा रवि किशोर त्रिवेदी ने स्कूल में सर्व प्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण किया उसके बाद नवप्रवेशी बच्चों का स्वागत उन्होंने रोली और चंदन का टीका व माला पहनाकर कर किया इसके साथ ही बच्चों को पेंसिल बाक्स देकर प्रोत्साहित किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों को बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थित निरंतर रखने पर जोर दिया। इसके साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम प्रधान राम मिलन से स्कूल द्वारा अभिभावकों के खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजे गए पैसों का बच्चों के ड्रेस, जूता, मोजा, बैग, स्टेशनरी के लिए उपयोग करने के लिए अभिभावकों को प्रेरित करने पर बल दिया। कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कमलेंद्र कुमार कुशवाहा और खंड शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार उमराव भी उपस्थित रहे। स्कूल की प्रधानाध्यापिका सविता देवी ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। इस दौरान स्कूल के अन्य शिक्षक सुधा गौड़, मनमोहन सिंह चौहान, उमेश दत्त, आलोक पांडेय, अमन, अखिल, अंशुमान, पंकज और पूजा सिंह उपस्थित रहे।

व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रान्तीय वरिष्ठ महामंत्री रमेश अग्रहरि के दूसरी बार निर्वाचित होने पर व्यापारियों ने किया स्वागत

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रान्तीय वरिष्ठ महामंत्री रमेश अग्रहरि के दूसरी बार निर्वाचित होने के बाद अपने गृह जनपद कौशाम्बी आगमन पर जिले के व्यापारी जनपद की सीमा से देवीगंज, सैनी, सिराथू, मंझनपुर, भरवारी बाजार में जगह जगह पर माला फूल पहना कर स्वागत किया। साथ में नव निर्वाचित प्रान्तीय मंत्री नरोत्तम केसरवानी प्रान्तीय संगठन मंत्री पुष्पेन्द्र केसरवानी का भी जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन हुआ व्यापारीयो में हर्ष है कि जनपद से तीन व्यापारीयो को प्रदेश संगठन में भागीदारी मिली इससे हमलोगो को व्यापार मण्डल के माध्यम से सुरक्षा ,संरक्षण एवं रोजगार बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे। प्रान्तीय वरिष्ठ महामन्त्री ने स्वागत सम्मान समारोह में व्यापारीयो को मंझनपुर नगर पालिका में सम्बोधित करते हुए कहा व्यापार मण्डल हमेसा व्यापारिक हितों के लिए संघर्ष करता रहा है आगे भी यह जारी रहेगा , देश में सात करोड़ व्यापारी पंजीकृत है जो सात करोड़ लोगों को रोजगार मुहैया कराता है उनके परिवार की संख्या को जोड़ दिया जाए तो 70 करोड़ जनता को भोजन संसाधन व्यवस्था करने की जिम्मेदारी लेता है इसीलिए व्यापारीयो को 5 प्रतिशत विधानसभा , 5 प्रतिशत लोकसभा में आरक्षण मिलना चाहिए जिससे व्यापारी नेता विधानसभा एवं लोकसभा की सदन में व्यापारीयो की बात को रख सके। पंजीकृत व्यापारी को दुर्घटना बीमा 10 लाख से बढ़ा कर 20 लाख किया जाए, 10 लाख का स्वास्थ बीमा दिया जाए व्यापारीयो को पेन्शन 3000 से बढ़ाकर 30000 किया जाए जी एस टी एवं आयकर विलम्भ में जमकर जो 18 प्रतिशत ब्याज लिया जाता है उसको घटाकर 6 प्रतिशत लिया जाए क्यूकी राष्ट्रीयकृत बैंक 5.5 प्रतिशत से अधिक ब्याज नही देती है। इस मौके जिलाध्यक्ष प्रवेश केसरवानी जिला महामंत्री प्रमोद साहू, जिला उपाध्यक्ष राधेश्याम केसरवानी, नगर पंचायत सिराथू चेयरमैन भोला यादव, पूर्व चेयरमैन भरवारी गंगा प्रसाद केसरवानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष अग्रहरि समाज सुरेश अग्रहरि, नगर अध्यक्ष देवीगंज नीरज साहू, नगर महामंत्री देवीगंज खुर्शीद अहमद ,नगर कोषाध्यक्ष देवीगंज श्यामू अग्रहरि, नगर अध्यक्ष अझुवा रमेश अग्रहरि , नगर महामंत्री अझुवा राकेश केसरवानी, नगर कोषाध्यक्ष अझुवा अनिल अग्रहरि, शिवकोटी अग्रहरि ,राहुल अग्रहरि ,दीपक साहू ,विक्की केसरवानी ,सार्थक अग्रहरि , नगर महामंत्री सिराथू तनु केसरवानी ,नगर कोषाध्यक्ष सिराथू धीरेन्द्र केसरवानी, युवा अध्यक्ष सिराथू सचिन केसरवानी ,नगर अध्यक्ष मंझनपुर अंशुल केसरवानी, नगर महामंत्री मंझनपुर जय नारायण मोदनवाल, नगर कोषाध्यक्ष मंझनपुर अभिषेक गुप्ता , नगर अध्यक्ष भरवारी वीरेन्द्र केसरी, नगर महामंत्री भरवारी राजेश अग्रहरि, गौरव केसरवानी मोनू, नगर कोषाध्यक्ष भरवारी अखिलेश कौशल , श्रीकृष्ण केसरवानी, मनीष रस्तोगी, प्रदुमं नारायण , जगदीश शिवहरे , घनश्याम केसरवानी, मोहित रस्तोगी, जगदीश बाबा जी, सुशील केसरवानी, भीम चंद्र, संतोष जी , विवेक केसरवानी , भूपेन्द्र कुमार श्यामू , नीरज केसरवानी, उमेश कुमार बड़का , नीरज कौशल नगर अध्यक्ष मनौरी सुधीर केसरवानी , नगर महामंत्री मनौरी प्रदीप गुप्ता ,उमेश कुमार , नगर कोषाध्यक्ष मनौरी नीरज कुमार , अंकित केसरवानी , अनिल केसरवानी , करारी से भाजपा प्रत्याशी बृजेश अग्रहरि, अवधेश अग्रहरि नीरज , विवेक अग्रहरि , पश्चिम सरीरा अध्यक्ष विपिन केसरवानी , पश्चिम सरीरा महामंत्री प्रतीक मोदनवाल ,पश्चिम सरीरा कोषाध्यक्ष हरि नारायण केसरवानी , कुलदीप त्रिपाठी कुमियाहाँ ,ओसा मंडी अध्यक्ष नेम चन्द्र अग्रहरि , ओसा मंडी महामंत्री रंजीत केसरवानी , ओसा मंडी कोषाध्यक्ष रामबाबू केसरवानी , ओसा मंडी युवा अध्यक्ष प्रमोद केसरवानी , ओसा मंडी महामंत्री दिनेश अग्रहरि , ओसा मंडी कोषाध्यक्ष गौरव जयसवाल , दिनेश अग्रहरि , ओसा चौराहा अध्यक्ष अमित सोनकर , नगर अध्यक्ष सरायअकील राकेश अग्रहरि ,नरेश चंद्र जयसवाल , सराय अकील महामंत्री संदीप केसरवानी , सरायअकील कोषाध्यक्ष राकेश केसरवानी सहित जिले के प्रत्येक बाजार से भारी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

मारपीट के आरोप में तीन पर केस दर्ज

सिराथू, कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली एक महिला ने पानी भरने को लेकर हुए विवाद में बेटी के साथ मारपीट करने वाले तीन लोगो पर पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की थी , महिला की शिकायत पर पुलिस ने तीन लोगो पर केस दर्ज कर कार्यवाही में जुट गई है। सैनी कोतवाली क्षेत्र के कोरियो का मजरा सोनारन का पुरवा निवासी चंद्रावती पत्नी ओम प्रकाश ने सैनी पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया की उसकी पुत्री प्रेमला दस दिन पहले मोहल्ले के हैंडपंप ने पानी भरने के लिए गई थी , पीड़िता का आरोप है की मोहल्ले का एक दबंग पुत्री को गाली गलौच करते हुए बाल्टी फेंक दिया जिसका विरोध करने पर दबंग पुत्री के साथ मारपीट करने लगा , पीड़िता का आरोप है की दबंग एक हफ्ते पहले रात में घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गए और दोनों बेटी प्रेमला व अंकिता के साथ मारपीट करने लगा बीच बचाव के लिए पहुंचे उनके पिता ओम प्रकाश के साथ भी मारपीट कर जख्मी कर दिया । महिला की शिकायत पर सैनी पुलिस ने अमृतलाल व दिलीप के विरोध विभिन्न धाराओं ने केस दर्ज कर कार्यवाही में जुट गई है।

परिषदीय विद्यालयां में नव–प्रवेशित बच्चों को रोली–चन्दन का टीका लगाकर किया गया स्वागत

जिलाधिकारी ने अपने हाथ से बच्चों का नवीन प्रवेश डिजिटल रजिस्टर में किया

कौशाम्बी। शासन के निर्देशानुसार आज जनपद के समस्त 1089 परिषदीय विद्यालयों एवं 8 कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों द्वारा प्रवेश उत्सव को भव्य रूप देते हुए विद्यालयों को फूल, पत्तों, रंगोली एवं गुब्बारों आदि से सजाया गया तथा विद्यालय में आने वाले नव–प्रवेशित बच्चों को रोली–चन्दन का टीका लगाकर स्वागत किया गया।जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने प्राथमिक विद्यालय बबुरा एवं प्राथमिक विद्यालय समदा का निरीक्षण कर टैबलेट में ऑनलाइन उपस्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का शत–प्रतिशत नामांकन कराने एवं अभिभावकों से नियमित रूप से विद्यालय भेजने की अपील की तथा स्वयं अपने हॉथ से बच्चों का नवीन प्रवेश डिजिटल रजिस्टर में किया। मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कमलेन्द्र कुमार कुशवाहा ने कम्पोजिट विद्यालय कादीपुर (1–8), कम्पोजिट विद्यालय रोही, प्राथमिक विद्यालय पल्हाना उपरहार एवं कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय में स्कूल चलो अभियान क्रार्यक्रम तथा विशेष संचारी रोग अभियान व वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया। मुख्य विकास अधिकारी ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर नव प्रवेशि कक्षा–1 के दिव्यांशी व माह को माला पहनाकर स्वाग किया। बच्चों को रूचिकर भोज खीर, हलवा आदि का वितर किया गया। जनपद स्तरीय ब्लॉक स्तरीय अधिकारियो जिला

समन्वयक, डायट ए0आर0पी0 द्वारा आवंटि विद्यालयों में उपस्थित होक शिक्षकों व छात्र–छात्राओं क उत्साहवर्द्धन किया गया कार्यक्रम में खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं समस्त जिल समन्वयक आदि उपस्थित रहें

मोहर्रम को लेकर सैनी थाना में हुई पीस कमेटी की बैठक

शांतिपूर्ण ढंग से मनाए त्योहार- एसडीएम

सिराथू, कौशाम्बी। सैनी कोतवाली परिसर में आगामी त्योहार मोहर्रम के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें एसडीएम सिराथू महेंद्र कुमार श्रीवास्तव व क्षेत्राधिकारी सिराथू अवधेश कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में दोनों समुदायों के लोगों से शांतिपूर्वक त्योहार मनाने की अपील की गई। वही ताजियेदारों से कहा गया कि जिस रूट पर ताजिये निकलते हैं वहीं से निकाले।सैनी कोतवाली में सोमवार को मोहर्रम पर ताजियों के जुलूस में शांति एवं सुरक्षा के मद्देनजर थाना परिसर में एसडीएम सिराथू महेंद्र कुमार श्रीवास्तव व क्षेत्राधिकारी अवधेश कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई जिसमें एसडीएम सिराथू ने हिंदू मुस्लिम समाज के लोगों को मोहर्रम पर शांति बनाए रखने के साथ निर्धारित स्थानों से होकर ही ताजिया जुलूस निकालने के निर्देश दिए । क्षेत्राधिकारी अवधेश कुमार विश्वकर्मा ने कहा की बिना परमिशन के डी जे व लाउड स्पीकर नही बजाए जायेंगे , साथ ही उन्होंने कहा की शांति व्यवस्था भंग करने वालो पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी , कोई समस्या है तो सीयूजी नंबर पर अवगत कराए । थाना प्रभारी जयचंद्र शर्मा ने कहा कि मोहर्रम पर शांति के माहौल में निर्धारित मार्गों से होकर ही अलम एवं ताजिए के जुलूस निकाले जाएं। उन्होंने मौजूद लोगो की समस्याओं को सुनते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए साथ ही शांति पूर्ण ढंग से त्योहार मनाए जाने की अपील किया। इस मौके पर थाना प्रभारी जयचंद्र शर्मा के साथ अतिरिक्त निरीक्षक अयोध्या प्रसाद , उपनिरीक्षक अरुण कुमार मौर्य , आलोक राज , गिरजा शंकर , नंदू यादव , रघुराज , मनोज जायसवाल व ग्राम प्रधान अमरनाथ , सरोज कुमार , सिद्दिक हसन उर्फ अंबर , शाहिद अहमद , राम नरेश , मो हासिम , जे पी मौर्य , हबीब उल्ला सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सेवा के हर क्षेत्र मे लायंस क्लब की सहभागिता- सी.एम.ओ.

लायंस क्लब हर्ष, शक्ति और अवध के संयुक्त तत्वावधान में मनाया गया चिकित्सक सम्मान दिवस

प्रतापगढ़। लायंस क्लब हर्ष, शक्ति तथा अवध के संयुक्त तत्वावधान में आज सीएमओ कार्यालय के सभागार में डॉक्टर्स डे का सफल आयोजन हुआ ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. जी. एम. शुक्ला ने लायंस क्लब के सेवा कार्य को सराहते हुए कहा लायंस क्लब हर्ष ,शक्ति तथा अवध ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डा.विधान चंद्र राय के जन्म दिवस पर डाक्टर्स डे का आयोजन कर पुनीत कार्य किया है । लायंस क्लब सेवा के हर क्षेत्र में भागीदारी करता है चाहे वह चिकित्सा का क्षेत्र हो, चाहे बाढ़ या महामारी का हो प्रत्येक क्षेत्र में बढ़ चढ़ कर भागीदारी करता है।कार्यक्रम का संचालन लायंस क्लब हर्ष के अध्यक्ष संतोष भगवन ने किया उन्होंने कहा कि लायंस क्लब एक इंटरनेशनल संस्था है लायंस क्लब सेवा के क्षेत्र में शासन तथा प्रशासन को अपना पूर्ण सहयोग देता है आज चिकित्सा दिवस पर 15 से अधिक चिकित्सकों को अंग वस्त्र माला पहनकर एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया सम्मानित होने वालों में मुख्य रूप से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.जी एम शुक्ला, ए.सी. एम. ओ. डा. ए. एन. राय ,डिप्टी सी.एम.ओ. डा. राजेश कुमार,डा. शकील हैदर,पूर्व सीएमएस डा. पी. पी.पांडे, डाक्टर आर. डी. द्विवेदी,डॉ विवेक त्रिपाठी,हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ सचिन कुमार, राज शेखर जिला कार्यक्रम अधिकारी, डाक्टर एस एस गुप्ता,डा. अवंतिका पांडे,डा. शशि प्रभा गुप्ता,डा. कामायनी उपाध्याय,वंदना जायसवाल, डॉक्टर सुष्मिता ,डॉक्टर अंजली डॉ संदीप सक्सैना,डॉ आजाद शामिल रहे। इस अवसर पर लायंस क्लब हर्ष के प्रशासक लायन के. बी. सिंह, अध्यक्ष संतोष भगवन ,सचिव डॉ क्षितिज श्रीवास्तव,कोषाध्यक्ष आर. बी. सिंह, लायन अरविंद सिंह और राजेश बहादुर पाल लायंस क्लब शक्ति की अध्यक्ष प्रमिला शुक्ला, सचिव डॉ अवंतिका पांडे, निदेशक अनीता पांडे,कोषाध्यक्ष मनप्रीत कौर,उपाध्यक्ष पिंकी दयाल लायंस क्लब अवध के अध्यक्ष संतोष पांडे, अनिल प्रताप त्रिपाठी,उमाकांत ओझा,राम कुमार पांडे, राजेंद्र शुक्ला, पंकज शुक्ला, नीलेश मिश्रा, व्यक्त किया।

धूमधाम से मनाया गया पूर्व मुख्यमंत्री रामनरेश यादव की जयंती

प्रयागराज। स्वर्गीय राम नरेश यादव स्मारक सेवा संस्थान के तत्वावधान में मध्यप्रदेश, छतीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल स्वर्गीय राम नरेश यादव के 96वें जन्म दिवस के अवसर पर दयानन्द पब्लिक स्कूल (डीएवी कॉलेज) मीरपुर के सभागार में हवन एवं गोष्ठी के बाद कटघर स्थित वृंदा प्रसाद अनाथालय में बच्चों को भोजन, फल और मिष्ठान वितरित किया।गोष्ठी में पूर्व महापौर चौधरी जितेन्द्र नाथ सिंह ने राम नरेश यादव के जीवन और उनके द्वारा गरीबों–असहायों के लिए किये गये संघर्षों के बारे में लोगो को बताया। संस्थान के महामंत्री हीरा लाल यादव ने कहा कि राम नरेश यादव व्यक्ति नही व्यक्तित्व थे उनका पूरा जीवन सादगी एवं उच्च विचार से ओतप्रोत था ।

सिराथू में जुलाई में लगेंगे 3.12 लाख पौधे

सिराथू, कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र में वन विभाग के अलावा अन्य तहसील स्तरीय अधिकारियों की ओर से जुलाई माह में वृहद पौधरोपण कार्य कराया जाए। क्षेत्रीय वन अधिकारी सिराथू ने पौधरोपण के संबंध में रणनीति बनाते हुए सिराथू तहसील क्षेत्र के 125 हेक्टेयर में जुलाई के अंत तक 312500 पौ ो लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है । सिराथू रेंजर निखिलेश चौरसिया ने बताया कि अभियान के दौरान शीशम , जामुन , अर्जुन , गोल्ड मोहर सहित फलदार, फूलदार तथा छायादार पौधे लगाए जाएं। उन्होंने बताया की शहजादपुर कछार में 47 हेक्टेयर , भेरावा में 15 हेक्टेयर , मशीपुर में 10 हेक्टेयर , नगर पालिका भरवारी में 6 हेक्टेयर , अफजलपुर सातों , उदिहीन , रमसहायपुर , अनेठा , नारा आदि गांव में पौधरोपण किए जाने का लक्ष्य दिया गया है। पौधे लगाने के बाद इसकी सुरक्षा व्यवस्था की भी जिम्मेदारी दी गई है।

स्टाफ की कमी से कैसे पुरा होगा लक्ष्य

सिराथू, कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के डोरमा में स्थित वन विभाग का रेंज आफिस में क्षेत्रीय वन अधिकारी के अलावा मनोज कुशवाहा व रामदास पटेल व गया प्रसाद सहित तीन वन दरोगा है जिसमे गया प्रसाद मार्ग हादसे में जख्मी होने के बाद अस्पताल में भर्ती है वही फारेस्ट गार्ड की कमी है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दंपती जख्मी

सिराथू, कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के कमासिन गांव के नजदीक नेशनल हाइवे पर तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दंपत्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गए , हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए सिराथू के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

कड़ा धाम थाना क्षेत्र के दारानगर कस्बे के म्योहरा के रहने वाले अफरोज आलम पुत्र अजीज अहमद 25 वर्ष अपनी पत्नी मुस्कान 22 वर्ष के अपाचे बाइक से प्रयागराज गया था , अफरोज सोमवार की दोपहर बाइक से पत्नी के साथ घर आ रहा था । जैसे ही वह सैनी कोतवाली क्षेत्र के कमासिन गांव के नजदीक नेशनल हाइवे पर पहुंचा तभी तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दंपत्ति गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गए , आसपास मौजूद लोगो ने हादसा देखा तो पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पहुंची पुलिस ने दोनो घायलों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए सिराथू के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

पहली बारिश में त्रिलोकपुर में सर्विसलेन बना तालाब

सिराथू, कौशाम्बी। मानसून की पहली बारिश में नेशनल हाईवे पर बरसात की तैयारियों को लेकर प्रशासन और फोरलेन निर्माण कंपनी की पोल खुल गई। सैनी का त्रिलोकपुर सहित कई स्थानों पर सोमवार की सुबह भारी मात्रा में जल भराव हो गया। त्रिलोकपुर गांव में बने नेशनल हाइवे के सर्विसलेन के समीप सड़क पर दो फीट तक पानी भर जाने के कारण वाहन चालक फंस गए। बड़ी मशक्कत के बाद उन्होंने अपने वाहनों को निकाला। रमेश चंद्र , राजेंद्र , राधे , गौतम, पप्पू आदि ग्रामीणों का आरोप है नेशनल हाइवे निर्माण में लगी कार्यदाई संस्था के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के चलते सर्विस लेन किनारे बने नाला में जलनिकासी की व्यवस्था नहीं की गई , साथ ही साथ जगह जगह से नाला चोक है जिससे बारिश होने पर सर्विस लें तालाब बन जाता है । जिसके कारण ग्रामीणों को परेशानी झेलनी पड़ी और उनके कपड़े कीचड़ से खराब हो गए। बड़ी मुश्किल से उन्होंने रास्ता पार किया। वही मोहल्ले में संक्रमण की बीमारी फैलने की भी आशंका बनी रहती है।

नव निर्वाचित प्रदेश पदाधिकारियों का व्यापार मंडल द्वारा देवीगंज में हुआ स्वागत-सम्मान

कड़ा, कौशाम्बी। व्यापार मंडल देवीगंज के तत्वाधान में सोमवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नव निर्वाचित प्रदेश पदाधिकारियों का देवीगंज चौराहे पर भव्य स्वागत सम्मान किया गया।व्यापार मंडल कौशांबी के जिलाध्यक्ष प्रवेश केशरवानी व देवीगंज व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज साहू की अगुवाई में नव निर्वाचित वरिष्ठ प्रांतीय महामंत्री रमेश अग्रहरि, प्रदेश संगठन मंत्री पुष्पेंद्र केशरवानी व प्रदेश मंत्री नरोत्तम केशरवानी का व्यापार मण्डल द्वारा भव्य स्वागत सम्मान किया गया।इस दौरान उपस्थित व्यापारियों व व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को फूल माला व अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत सम्मान करते हुए । इस अवसर पर प्रमोद साहू, मोमिन अंसारी, मोनू मोदनवाल, खुरशेद आदि लोग उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।